मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 217
शनिवार, 22 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

वाराणसी में हाईवे पर ट्रक से भिड़ी कार, कर्नाटक के 5 लोगों की मौत

क्रूजर की स्पीड इतनी तेज थी कि एक महिला का सिर धड़ से अलग हो गया

सुरेश गांधी

वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर (भेड़हरा) गांव के समीप नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की सुबह खड़े एक ट्रक में महाकुंभ (प्रयागराज) की तरफ जा रही क्रूजर ओवर टेक के चक्कर में हादसे का शिकार हो गई। हादसे महिला समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। क्रूजर की स्पीड इतनी तेज थी कि एक महिला का सिंर धड़ से अलग हो गया था। क्रूजर में कर्नाटक के रहने वाले 11 लोग सवार थे। इसमें पांच लोग की मौत हुई है।

मरने वालों में संतोष कुमार, सुनीता, गणेश, शिवकुमार सहित अन्य लोग हैं। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी एक क्रूजर वाराणसी से प्रयागराज जा रही थी। रूपापुर (भेड़हरा) स्थित नेशनल हाईवे पर खड़े एक ट्रक में तेज रफ्तार क्रूजर जीप पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर ही महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। घायलों को अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में एक और की मौत हो गई। मृतकों में कर्नाटक के संतोष कुमार (50) और उनकी पत्नी सुनीता (45), लक्ष्मी (49), नीलम उर्फ लालवती (55) समेत दो पांच लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में जीप में एक महिला समेत दो लोग फंसे रहे। क्रेन के सहारे ट्रक में फंसे जीप को बाहर निकाला गया। पुलिस के अनुसार, एक महिला का सिर उसके धड़ से अलग गिरा था।

कार में कुल 13 लोग सवार थे, जिसमें 7 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कर्नाटक के विदुर निवासी खुशी (10), कविता (48), शिव साईं (15), कर्नाटक के लालगिरी (विदुर) निवासी गणेश (14), सुलोचना (50), अनीता (50), कर्नाटक नमोपड़ी (विदुर) निवासी सुजाता (32) को कछवा बाजार स्थित सामुदायिक स्वस्थ केंद्र में उपचार के लिए भेजा गया। हालत को देखते हुए सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर (वाराणसी) के लिए रेफर कर दिया गया। हृदय विदारक इस घटना से माहौल गमगीन हो गया था। वहीं, पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्रूजर जीप को हटा कर यातायात बहाल करवाया। कुछ देर बाद घटना स्थल का मौका मुआयना करने पहुंचे डीसीपी गोमती जोन प्रमोद कुमार व एडीसीपी आकाश कुमार पटेल ने हालात की जानकारी ली।

मणिपुर के चार जिलों से 17 उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर, 21 फरवरी। मणिपुर के चार जिलों से पिछले 24 घंटे में प्रतिबंधित संगठनों के 17 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 13 उग्रवादियों को बृहस्पतिवार को बिष्णुपुर जिले के मोइरांग कियाम लेईकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। बयान में बताया गया कि कुल 27 कारतूस, तीन वॉकी-टॉकी सेट, सेना की वर्दी और अन्य सामान भी जब्त किए गए। गिरफ्तार किए गए लोगों को विस्तृत जांच के लिए इंफाल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी) के एक उग्रवादी को बृहस्पतिवार को इंफाल पूर्वी जिले के नगारियान चिंग इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा, गिरफ्तार किया गया व्यक्ति जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को बिष्णुपुर जिले के नगाईखोंग खुल्लेन इलाके से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सिटी मेइती) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल काकचिंग जिले के काकचिंग सुमक लेईकाई इलाके से केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के फेडिंगा से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया।

विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश बिहार के मुख्यमंत्री नहीं होंगे : अलका लांबा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रमुख अलका लांबा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद बिहार की राजधानी की अपनी पहली यात्रा पर उन्होंने देर शाम यहां पत्रकारों से बातचीत की। पुलिस बल में आरक्षण जैसे उपायों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के कुमार के दावे के बारे में पूछे जाने पर लांबा ने कटाक्ष करते हुए कहा, नीतीश जी को पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के प्रदर्शन को याद करना चाहिए, जब जनता दल(यूनाइटेड) सीटों के मामले में तीसरे स्थान पर रही थी.....मैं यह भी भविष्यवाणी कर कर रही हूं कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद वह मुख्यमंत्री नहीं होंगे।

उन्होंने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 225 से अधिक सीटें जीतने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का भी उपहास उड़ाया और कहा कि भाजपा ने पिछले साल लोकसभा चुनाव में 400 पार सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन बहुमत भी हासिल नहीं कर पायी। लांबा ने भाजपा पर महिला आरक्षण विधेयक को पारित करवाने का श्रेय लेने के बावजूद इसके क्रियान्वयन में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। लांबा ने कहा कि बिहार में चुनाव की घोषणा होने के पूर्व एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी जाना चाहिए।

पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में 60-70 नये चेहरों पर दांव लगाएगी : राजा वडिंग

पंजाब। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी कम से कम 60-70 नये चेहरों पर दांव लगाएगी।

वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए कम से कम 60-70 नये चेहरों को मौका देने के लिए दृढ़ है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने तथा यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा।

दिल्ली की अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को मानहानि मामले में बरी किया

नई दिल्ली, 21 फरवरी। दिल्ली की एक अदालत ने एक व्यवसायी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के खिलाफ मानहानि की शिकायत बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा शिकायतकर्ता की मृत्यु हो चुकी है, जबकि उनके उत्तराधिकारी यह साबित करने में विफल रहे कि वह कथित बयान से व्यथित थे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने यह फैसला सुनाया।न्यायाधीश ने कहा, आरोपी द्वारा बरी किए जाने के लिए दायर आवेदन को स्वीकार किया जाता है और उसका निपटारा किया जाता है। चूंकि शिकायतकर्ता की मृत्यु हो चुकी है और वर्तमान शिकायत पर मुकदमा चलाने के लिए कोई पीड़ित व्यक्ति नहीं है, इसलिए आरोपी नंबर 4 (एक निजी कंपनी) को भी बरी किया जाता है। शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता एस पी गुप्ता एक निजी लिमिटेड कंपनी सनएयर होटल्स के प्रबंध निदेशक थे, और एक अन्य कंपनी वीएलएस फाइनेंस लिमिटेड के साथ कुछ व्यापारिक लेन-देन में खटास आने के बाद और विभिन्न मुकदमों के तहत, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ कुप्रबंधन समेत कई आरोप लगाए और सीबीआई और एसएफआईओ समेत कई जांच एजेंसियों ने जांच की।

महाकुंभ के सियासी अफवाहों व साजिशों पर भारी है 59.31 करोड़ भक्तों की आंधी

- महाशिवरात्रि तक यह संख्या 65 करोड़ पार कर जायेगी
- शुक्रवार को भी 1.28 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया

सुरेश गांधी

महाकुंभनगर। महाकुंभ को लेकर जो सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है, उसमें अखिलेश के बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का नाम भी आता है. उन्होंने महाकुंभ में भगदड़ की घटना का जिक्र करते हुए इसकी तुलना मृत्युकुंभ से की है. जबकि सपा मुखिया अखिलेश यादव, कांग्रेस के राहुल गांधी व लालू यादव महाकुंभ के व्यवस्थाओं पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। इन सब के बीच महाकुंभ में श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं. 21 फरवरी को महाकुंभ का 40वां दिन था और अभी तक 59.31 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके है। लेकिन अब भी संगम में डुबकी लगाने की होड़ मची है।

इन दिनों श्रद्धालुओं के आने से प्रयागराज में रेला अभी भी दिख रहा है. शुक्रवार को भी 1.28 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया। हाल यह है कि देश के सारे रेवले स्टेशनों, एअरपोर्टो व बस स्टैंडों पर लगी श्रद्धालुओं की भीड़ बताने के लिए काफी है कि महाशिवरात्रि तक यह संख्या 65 करोड़ पार कर जायेगी। मतलब साफ है एक ओर महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए देश भर से करोड़ो श्रद्धालु प्रयागराज के महाकुंभ पहुंच रहे हैं तो दूसरी ओर संगम के पानी की स्वच्छता व मौनी आमावस्या के दिन हुए हादसे को लेकर सियासत गर्म है. हालांकि सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि संगम का पानी ना सिर्फ स्नान करने बल्कि आचमन योग्य भी है. कुछ लोग महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन श्रद्धालु उनके किसी भी अफवाह या साजिश में पड़ने वाले नहीं हैं।

यह अलग बात है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव कहते नहीं थक रहे है अगर संगम का पानी पीने योग्य है तो इसे बीजेपी नेताओं के घर खाना पकाने और स्नान करने के लिए भेजा जाए. जबकि ममता बनर्जी ने तो इस महाकुंभ को मृत्युकुंभ तक बताकर विपक्ष की सबसे ताकतवर नेता के रुप में अपनी पहचान बनाने में हरसंभव कोशिश कर रही है। बता दें, महाकुंभ 2025 अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है. अब मात्र 5 ही दिन शेष बचे है। आखिरी वीकेंड पर भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं. सभी वीआईपी पास रद्द कर दिए गए हैं और नए वाहन पास जारी करना बंद कर दिया गया है. जहां तक गंगा के जल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों के दावों की बात है तो वैज्ञानिकों ने भी इसे झूठा करार दिया है।

देश के जाने-माने पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर ने पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच की है। उन्होंने कहा कि स्नान योग्य ही नहीं, गंगा का जल अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध है। गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 59.31 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी है। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो, वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाएं।

उन्होंने लगातार तीन महीने के शोध में यह साबित किया है कि गंगा जल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं। गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। बता दें, विपक्ष की साजिश में कुछ संस्थाओं और लोगों ने भ्रम फैलाया कि गंगा जल आचमन और स्नान अयोग्य नहीं है। जिसे डॉ. सोनकर के शोध ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है। डॉ. सोनकर ने कहा कि महाकुंभ को लेकर एक बात बहुत ध्यान देने वाली है और वो यह कि जिस प्रकार गंगा के जल को महाकुंभ के पहले से ही अति दूषित बताकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। अगर ऐसी स्थिति सच में हुई होती तो अब तक दुनिया में हाहाकार मच गया होता। अस्पतालों में कहीं पैर रखने की जगह भी नहीं बची होती। ये मां गंगा की स्वयं को शुद्ध कर लेने की अद्भुत शक्ति है।

महाकुंभ में 24 और 25 फरवरी को तीन विश्व रिकॉर्ड बनने जा रहे हैं। इसमें 24 फरवरी को 15 हजार स्वच्छता कर्मी लगभग 10 किमी तक सफाई अभियान चलाकर कीर्तिमान बनाएंगे। दूसरे दिन 25 फरवरी को 10 हजार हैंड प्रिंटिंग और उसी दिन 550 शटल बसों के संचालन का रिकॉर्ड बनेगा। इसके अलावा ई-रिक्शा के संचालन के स्थान पर अब शटल बसों का रिकॉर्ड बनाया जाएगा। ये सभी रिकॉर्ड बनने के लिए 14 से 17 फरवरी तक की तिथियां निर्धारित की गईं थीं मगर उस दौरान भीड़ के चलते तारीख बढ़ा दी गई थी। केवल एक रिकॉर्ड 300 सफाई कर्मियों द्वारा नदी सफाई का अभियान 14 फरवरी को बना था। अब इन तीनों रिकॉर्ड के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम 22 फरवरी को आएगी। इसी टीम के सामने रिकॉर्ड बनेंगे।

शांति की संस्कृति एवं समझ को विकसित करने जरूरत

-ललित गर्ग

विश्व शांति और समझ दिवस- 23 फरवरी, 2025

एक शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण, विविध संस्कृतियों, धर्मों और क्षेत्रों के बीच सद्भाव, करुणा और सहयोग की स्थायी भावना की अपेक्षा को आकार देने के लिये हर वर्ष विश्व शांति एवं समझ दिवस 23 फरवरी को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह अवसर मानवीय सेवा, शांति और सद्भावना के प्रतीक रोटरी इंटरनेशनल की संस्थापक बैठक से जुड़ा है, जो एक अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा देने के लिए दुनिया में सामूहिक जिम्मेदारी का एक मार्मिक अनुस्मारक एवं महा अनुष्ठान है। साल 2025 में इस दिवस का उद्देश्य दुनियाभर में शांति और समझ को बढ़ावा देते हुए शांति की संस्कृति का विकास करना है। यह विषय एक ऐसी दुनिया की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने के महत्व पर जोर देता है जहाँ शांति की समझ केवल एक आकांक्षा नहीं बल्कि हमारे दैनिक जीवन, व्यवहार और बातचीत का एक हिस्सा हो। यह दुनिया में संघर्ष को रोकने के लिए विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों के बीच सहानुभूति और सम्मान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है एवं शांति की संस्कृति को विकसित करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों से सामूहिक प्रयास की आवश्यकता को उजागर करता है। दुनिया में प्रेम-भाईचारा और शांति को बनाए रखना एवं हिंसारहित दुनिया निर्मित करना भी इस दिवस का ध्येय है।

रोटरी इंटरनेशनल की यात्रा 1905 में पॉल पी. हैरिस के साथ शुरू हुई, जिन्होंने राजनीति और धर्म की सीमाओं से परे विभिन्न पृष्ठभूमि के पेशेवरों को शामिल करते हुए एक भाईचारे एवं बंधुत्व भावना की कल्पना की थी। यह दृष्टिकोण पहले रोटरी क्लब में साकार हुआ, जिसे आधिकारिक तौर पर 1908 में शामिल किया गया था, जिससे एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत हुई जिसने अंततः एक वैश्विक आयाम ग्रहण किया। पहले प्रमुख अमेरिकी शहरों और बाद में दुनियाभर में रोटरी क्लबों की स्थापना ने 1925 तक रोटरी इंटरनेशनल के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त की, आज, 200 से अधिक देशों और भौगोलिक क्षेत्रों में फैले 46,000 से अधिक क्लबों में 1.4 मिलियन से अधिक सदस्यों के साथ, रोटरी इंटरनेशनल मानवीय सेवा में वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है। आज जबकि पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक एवं क्रूरता से त्रस्त है, इन जटिल एवं विषम परिस्थितियों में दुनिया में शांति की समझ पैदा करना पूरी मानव जाति का कर्तव्य है। समाज में समझ से ही शांति स्थापित की जा सकती है। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके विपरीत यदि, पूरी दुनिया के लोग एक दूसरे को शत्रु, द्वेष और नफरत की दृष्टि से देखेंगे तो उसका परिणाम युद्ध ओ? विनाश के रूप में सामने आएगा। संघर्ष, अविश्वास, गलतफहमी और विद्रोह समाज को बांटता है और उसे एक अन्तर संघर्ष की खाई में धकेल देता है। अविश्वास, अहंकार एवं महत्वाकांक्षाएं समाज को गलतफहमी, विद्रोह, लड़ाई और संघर्ष की ओर ले जाती है। इसलिए समाज में विश्वास और शांति स्थापित करने के लिए सभी मनुष्यों को एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोगी के रूप में कार्य करना होगा। यह दिवस दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों से निपटने में सामूहिक कार्रवाई की शक्ति की याद दिलाता है। यह हमें अपने मतभेदों से परे देखने और सभी के लिए शांति, समृद्धि और कल्याण के सामान्य लक्ष्यों की दिशा में मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सामुदायिक सेवा, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नैतिक मानकों को बढ़ावा देने के माध्यम से, विश्व शांति और समझ दिवस स्थायी शांति प्राप्त करने में सद्भावना के महत्व को रेखांकित करता है।

मनुष्य, पशु, पक्षी, कीड़े, मकोड़े आदि सभी जीना चाहते हैं। कोई मरने की इच्छा नहीं रखता। जब कोई मृत्यु चाहता ही नहीं, तो उस पर उसको थोपना कहां का न्याय है। शांति, सहजीवन एवं अहिंसा में विश्वास रखने वाले लोग किसी प्राणी को सताते नहीं, मारते नहीं, मर्माहत करते नहीं, बल्कि एक दूसरे का सहयोग करते हुए एक उन्नत दुनिया का निर्माण करते हैं। शांति की समझ है स्वयं के साथ सम्पूर्ण मानवता को ऊपर उठाने में, आत्मपतन से बचने में और उससे किसी को बचाने में। अशांति अंधेरा है और शांति उजाला है। आंखें बंद करके अंधेरे को नहीं देखा जा सकता। इसी प्रकार अशांति से शांति को नहीं देखा जा सकता। शांति को देखने के लिए आंखों में अहिंसा, करूणा एवं प्रेम का उजाला आंजने की अपेक्षा है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो ह्यविश्व शांतिह्न का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन विश्व युद्ध की संभावनाओं के बीच इसकी आज अधिक प्रासंगिकता है। अपनों का साथ स्वर्ग है तो शत्रुओं का साथ नरक। प्रेम व मित्रता की ओर बढ़ना, स्वर्ग की ओर बढ़ना है। वैर व घृणा की ओर कदम बढ़ाना अपने नरक को खड़ा करना है। स्वर्ग में रहना है या फिर नरक में, ये चुनाव हमारा अपना है। लेकिन इस दृष्टि से यह विश्व शांति और समझ दिवस अधिक प्रासंगिक है और हमारी शांति की समझ को व्यापक बनाता है।

इजराइल और हमास में युद्ध विराम समझौते के बाद दुनिया चाहती है कि रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है। इसी तरह अनेक राष्ट्र आतंकवाद से त्रस्त है। इन विकट एवं विकराल होती स्थितियों के बीच इस साल विश्व शांति और समझ दिवस की 118वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इन वर्षों के दौरान पूरी दुनिया ने विश्व शांति और सद्भावना को लेकर लंबा रास्ता तया किया है। वहीं दुनिया भर के लोगों में सद्भावना, शांति और समझ विकसित करने के लिए अभी और लंबा रास्ता तय करना है। रोटरी क्लब अपने सदस्यों को, स्थानीय क्लबों के स्तर पर किए गए कार्यों से, स्थानीय और विश्व समुदाय की सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। इसका ध्येय है- सत्य, न्याय, लोगों के बीच संबंधों में सुधार और विश्व शांति। उम्मीद है कि इसका नतीजा युद्धों के अंत के रूप में सामने आएगा। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक कुचेष्टाओं से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो-सामान उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। हिंसा, आतंक एवं अशांति विश्व की ज्वलन्त समस्याएं हैं। अहिंसा, करूणा एवं शांति ही इन समस्याओं का समाधान है। अहिंसा सव्वभूयखेमंकरी-विश्व के समस्त प्राणियों का कल्याण करने वाली तेजोमयी अहिंसा की ज्योति पर जो राख आ गई, उसे दूर करने के लिए तथा अहिंसा की शक्ति पर लगे जंग को उतार कर उसकी धार को तेज करने के लिए अहिंसक एवं शांतिपूर्ण समाज रचना की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया में विश्वशांति एवं अहिंसा की स्थापना के लिये प्रयत्नशील है, समूची दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है कि एक बार फिर शांति एवं अहिंसा का उजाला भारत करें। कुछ लोग कह सकते है-एक दिन विश्व शांति और समझ दिवस मना भी लिया तो क्या हुआ? लेकिन ऐसे दिवस की बहुत सार्थकता है, उपयोगिता है, इससे अंतर-वृत्तियां उद्बुद्ध होंगी, अंतरमन से शांति की समझ को अपनाने की आवाज उठेगी और हिंसा, अशांति, तनाव एवं में लिप्त मानवीय वृत्तियों में शांति की समझ आएगी।

दुनिया के 100 से ज्यादा देशों की जीडीपी से ज्यादा है उत्तर प्रदेश के बजट का साइज

अशोक भाटिया

उत्तरप्रदेश की सरकार ने हाल ही में अपना बजट पेश किया है। इस बजट का साइज दुनिया के कई देशों की जीडीपी से ज्यादा देखने को मिलता है। वहीं अगर उत्तरप्रदेश की जीडीपी की बात करें तो ये दुनिया की 50 सबसे बड़ी इकोनॉमीज की लिस्ट में शामिल हो सकता है। देश में आबादी के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश, इस मामले में दुनिया के कई बड़े देशों को चुनौती देता है। रूस और तुर्की की आबादी के बराबर उत्तर प्रदेश की आबादी है। गुरुवार को यहां की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य का बजट पेश किया। वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए जो बजट पेश किया गया है, उसकी रकम जानकार आप हैरान जाएंगे। क्योंकि इसका साइज दुनिया के 100 से ज्यादा देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है (बजट में उत्तर प्रदेश की जीडीपी का जो अनुमान लगाया गया है, वो पुर्तगाल के बराबर और हंगरी की जीडीपी से ज्यादा है। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि आखिर दुनिया के मानचित्र पर उत्तर प्रदेश की क्या अहमियत है। आइए आपको बताते हैं कि आखिर भारत के सबसे बड़े राज्य ने कितना बड़ा बजट पेश किया है। और बजट के मुकाबले में दुनिया के वो देश कौन से हैं, जिनकी जीडीपी भी उतनी नहीं है।

उत्तरप्रदेश के बजट का साइज डॉलर के हिसाब से देखें तो 93 अरब डॉलर से ज्यादा देखने को मिल रहा है। खास बात तो ये है कि इतनी वैल्यू तो देश के 100 से ज्यादा देशों की भी नहीं है। पनामा से लेकर मकाऊ तक एक लंबी लिस्ट है, जिनकी जीडीपी उत्तर प्रदेश के सालाना बजट से भी कम है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार साल 2025 में पनामा की जीडीपी 91.739 बिलियन डॉलर रह सकती है। जबकि तुर्कमेनिस्तान 83.883 बिलियन डॉलर, उरुग्वे 82.605 बिलियन डॉलर, सर्बिया 82.605 बिलियन डॉलर, बेलारूस 73.129 बिलियन डॉलर, मयांमार 64.284 बिलियन डॉलर और मकाऊ की जीडीपी 55.587 बिलियन डॉलर है। दुनिया में ऐसे 100 से ज्यादा देशों लिस्ट है, जिनकी जीडीपी उत्तरप्रदेश के बजट से कम है।

बजट में उत्तरप्रदेश के वित्त मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की जीडीपी वित्त वर्ष 2025 में 27.51 लाख करोड़ रुपए यानी 317.5 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। इसका मतलब है कि उत्तरप्रदेश की इकोनॉमी का साइज यूरोप के कई देशों में शुमार और दुनिया की 47वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी पुर्तगाल के बराबर आकर खड़ी हो गई। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार साल 2025 में पुर्तगाल की इकोनॉमी 319 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। अगर साल 2024 के जीडीपी के साइज की बात करें तो पुर्तगाल की इकोनॉमी 282.54 बिलियन डॉलर देखने को मिली थी। ऐसे में दोनों इकोनॉमी का साइज लगभग बराबर ही देखने को मिल रहा है। हंगरी की जीडीपी का अनुमानित साइज 312 बिलियन डॉलर, पेरू 294 बिलियन डॉलर, ईराक, ग्रीस, न्यूजीलैंड कतर आदि कई देश ऐसे हैं, जिनकी इकोनॉमी उत्तर प्रदेश की जीडीपी से भी है। पाकिस्तान के बजट से भी बड़ा है उत्तरप्रदेश का बजट का बजट -उत्तर प्रदेश सरकार का 2024-25 का बजट ?7.36 लाख करोड़ का था, जो पाकिस्तान के केंद्रीय बजट से बड़ा है। पाकिस्तान ने 2024-25 के लिए अपना बजट 18.9 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये (ढड्फ) घोषित किया था। जब इसे भारतीय रुपये में बदला जाए (1 क्ठफ ट्र 3।35 ढड्फ), तो पाकिस्तान का बजट लगभग ?5.65 लाख करोड़ होता है, जो उत्तरप्रदेश के बजट से ?1.71 लाख करोड़ कम है।जनसंख्या के हिसाब से देखें तो उत्तरप्रदेश (पत्25 करोड़) और पाकिस्तान (पत्24 करोड़) की आबादी लगभग समान है, फिर भी उत्तरप्रदेश का बजट बड़ा है।विकास और व्यय को देखें तो उत्तरप्रदेश का बजट सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर केंद्रित है, जबकि पाकिस्तान का बजट कर्ज. चुकाने और रक्षा खर्च में ज्यादा जाता है।राजकोषीय स्थिति यह है कि पाकिस्तान का आधे से ज्यादा बजट ऋण और ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि उत्तरप्रदेश में खर्च का बड़ा हिस्सा विकास कार्यों में लगाया जाता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8,08,736 करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें आरएंडडी और आईटी पर फोकस किया गया है। आगामी वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित बजट में 28,478.34 करोड़ रुपए की नई योजनाएं शामिल की गयी हैं। विधानसभा में बजट पेश करने से पहले इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी दी गई थी। वित्त मंत्री ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि यह 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त वर्ष 2025 में प्रदेश का बजट 7,36,437 करोड़ रुपए था। खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास तथा रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 1000 अरब की इकोनॉमी बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है।

खास बात तो ये है कि उत्तरप्रदेश का बजट देश के कुल बजट का करीब 16 फीसदी है। इस बार देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुल बजट 50.65 लाख करोड़ रुपए का पेश किया था। वहीं उत्तरप्रदेश का बजट 8.08 लाख करोड़ रुपए का है। इसका मतलब है कि देश का बजट उत्तरप्रदेश के बजट से 6 गुना से भी ज्यादा बड़ा है। देश के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य की बात करें तो प्रदेश का एक दिन का बजट 2,216 करोड़ रुपए है। इसका मतलब है कि उत्तरप्रदेश हर रोज 2,216 करोड़ रुपए खर्च करेगा। वहीं हर घंटे उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के डेवलपमेंट के लिए 92 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी।

रोजमर्रा के खर्चों को देखें, तो उत्तरप्रदेश का एक दिन का बजट 2,216 करोड़ रुपये है, और हर घंटे उत्तरप्रदेश सरकार करीब 92 करोड़ रुपये राज्य के विकास के लिए खर्च करती है। यह बजट देश के कुल बजट का लगभग 16 प्रतिशत है। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल 50।65 लाख करोड़ रुपये का केंद्रीय बजट पेश किया था, वहीं उत्तरप्रदेश का बजट 8।08 लाख करोड़ रुपये का है, यानी उत्तरप्रदेश का बजट देश के कुल बजट का करीब छह गुना छोटा है, लेकिन फिर भी यह एक बड़ी राशि है। उत्तर प्रदेश का यह बजट न केवल राज्य की विकास यात्रा को दशार्ता है, बल्कि यह उसकी वैश्विक आर्थिक भूमिका को भी सशक्त बनाता है। प्रदेश की जीडीपी अब उन देशों की सूची में शामिल हो गई है जिनकी इकोनॉमी विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण मानी जाती है। उत्तरप्रदेश के विकास में यह बजट एक मील का पत्थर साबित हो सकता है, जो राज्य को अगले कुछ वर्षों में एक मजबूत आर्थिक शक्ति बना सकता है।

इस बजट के जरिए उत्तरप्रदेश सरकार का स्पष्ट उद्देश्य राज्य के औद्योगिक और आर्थिक क्षेत्र में बदलाव लाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना, और किसानों की आय में सुधार करना है। ऐसे में आने वाले वर्षों में उत्तरप्रदेश की आर्थिक प्रगति के और भी प्रभावशाली आंकड़े सामने आ सकते हैं।

इसमें राज्य सरकार ने 4 नए एक्सप्रेस वे को लेकर बड़ा ऐलान किया है, जिस पर 1500 करोड़ से ज?यादा का खर्च होगा। उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के लिए 11।50 करोड़ रुपये दिए गए हैं। किसानों को मुफ्त सिंचाई के लिए 1300 करोड़ रुपये जारी किए किए गए हैं। लखनऊ में अकसिटी बनाने के साथ ही बांके बिहार कॉरिडोर के लिए 150 करोड़ का ऐलान किया गया है।

बजट में पूंजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है।-बजट में अवस्थापना विकास हेतु 22 प्रतिशत, शिक्षा हेतु 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं हेतु 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों हेतु 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं।-बजट में शोध एवं विकास तथा सूचना प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान दिया है।-विधान सभा को आधुनिक आईटी सिस्टम्स से लैस करने के लिये बजट में विशेष रूप से व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। यह प्रक्रिया आगे भी चलती रहेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ सरकार द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।-राज्य सरकार द्वारा 10 सेक्टर यथा-कृषि एवं संवर्गीय सेवाएं, अवस्थापना, उद्योग, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, पर्यटन, नगर विकास, वित्तीय सेवायें, ऊर्जा, पूंजी निवेश आदि चिन्हित करते हुये सेक्टरवार कार्ययोजना तैयार की गई है।-प्रदेश के प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटीलैब तथा स्मार्ट क्लासेज की स्थापना।-राजकीय पॉलीटेक्निकों में स्मार्ट क्लासेज तथा पूर्णतया डिजिटल लाईब्रेरी की स्थापना की योजना प्रस्तावित।-आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स को बढ़ावा देने हेतु सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना प्रस्तावित की गई। शिक्षा और कौशल विकास पर कितना खर्च के बारे में बात करें तो उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए ?1,00,335 करोड़ का आवंटन किया था, जो कुल बजट का 13.6% है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याणः स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए ?25,711 करोड़ का बजट राज्य सरकार ने प्रस्तावित किया है। योगी सरकार की तरफ से लाये गए बजट में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ?38,964 करोड़ का आवंटन किया गया।. बुनियादी ढांचा और परिवहन के लिए सड़कों, पुलों और एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए ?43,274 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और मेट्रो के लिए बजट प्रस्तावित किए गए थे. ऊर्जा और बिजली आपूर्तिः ऊर्जा क्षेत्र के लिए ?45,832 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। ग्रामीण इलाकों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य सरकार ने रखा था। महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण के लिए ?12,000 करोड़ का प्रावधान योगी सरकार ने किया है।

प्रयागकुम्भ की उत्पत्ति तथा इतिहास

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

पृथिव्यां कुम्भयोगस्य चतुर्धा भेट उच्यते। चतुस्थले च पतनात सुधाकुम्मस्य भूतले ।। विष्णुद्वारे तीर्थराजेऽपन्त्यां गोदावरी तटे। सुधाबिन्दुविनिक्षेपात कुम्मपर्वेति विश्रुतम।। अर्थात अमृतकुम्भ के छलकने पर पृथ्वीतल में चार स्थानों- हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन तथा गोदावरी तट अर्थात नासिक में अमृतकण गिरने से कुंभपर्व शुरू हुआ। दूसरे श्लोक में प्रयाग में होने वाले कुम्भपर्व की ग्रहस्थिति और महिमा के बारे में उद्धृत किया हैं- मकरे च दिवाकरे यूपगे च बृहस्पती कुम्मयोगो मवेत तत्र प्रयागे हातिदुर्लभः। अर्थात सूर्य के मकर राशि में और वृहस्पति के वृष राशि में होने पर प्रयाग में कुम्भयोग होता है किन्तु यह स्पष्ट नही हो सका की कुम्भ मेले की उत्पत्ति कब ओर कैसे हुई यह शोध का विषय है किन्तु वेदाचार्य पंडित वेणीराम शर्मा दारा लिखित कुम्भ महात्म्य प्रकाशन वर्ष 1947 में वैदिक मंत्रो द्वारा कुम्भ की महिमा का स्नान दान आदि समय स्मरण किए जाने वाले मंत्रों तथा चार स्थान पर कुम्भ स्नान का उल्लेख मिलता है जो पर्याप्त प्रामाणिक जानकारी का ज्ञान नही करा पाता। यह कुम्भ पर्व कब और कैसे शुरू हुआ? कैसे यह शुद्ध धार्मिक स्नानपर्व ओर सामाजिक जनजागृति का महापर्व हो गया जिसमें सनातन साधु संतों की जमात के साथ आर्थिक पहलू जुड़ने से यह मेला बन गया, ज्ञात नही हो सका? कब यह वर्तमान स्वरूप को प्राप्त हुआ? कुम्भ प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन ओर नासिक में लगता है पर कुम्भ नामकरण का क्या आधार है? अर्द्धकुम्म क्या है? और यह प्रयाग तथा हरिद्वार में ही क्यों होता है? इत्यादि प्रश्नों के समाधान हेतु कोई निश्चायतमक प्रमाण नहीं मिलता।

जिस श्लोक से मैंने लिखना शुरू किया वह पृथिव्या कुम्भयोगस्य इत्यादि श्लोक को गीताप्रेस ने अपनी महाकुम्म पर्व नामक पुस्तिका में स्कन्दपुराण से उद्धृत बताया है. लेकिन जब मैंने स्वयं देखा तो गीताप्रेस द्वारा प्रकाशित स्कन्दपुराण के संस्करणों में ये श्लोक नहीं पाया गया। इससे कुम्भपर्व की उत्पत्ति के विषय में समुदमन्धन में अमृतकलश निकाने, इन्द्रपुत्र जयन्त द्वारा उसे लेकर भागने और इस दौरान भूलोक में चार जगहों प्रयाग, हरिद्वार, नासिक तथा उज्जैन में अमृत छलककर गिरने की कथा भी किसी प्राचीन अथवा मध्यकालिक ग्रन्थ में प्राप्त नहीं होती। यत्रापि उसे पुराण से जोड़ने की कोशिश की जाती है. किन्तु यह किसी भी पुराण में उपलब्ध नहीं होती। कि बहुना, यह कथा पुराणों में उपलब्ध कथा के सर्वथा विपरीत है. चूंकि विषयवस्तु पर जो कथा पुराणों में प्राप्त है वह है- समुद्रमन्धन में धन्वन्तरि एक कमण्डल में अमृत लेकर निकलते है और फिर मोहिनी वेषधारी भगवान विष्णु उस अमृत को देवताओं को पिलाते हैं। इसी क्रम में असुर राहु मी अमृत पी लेता है और सूर्य तथा चन्द्र की शिकायत पर भगवान विष्णु सुदर्शन चक्र से राहु का सिर काट देते हैं। उसके बाद देवताओं और असुरों में भयंकर युद्ध छिड़ जाता है, जिसमें। अन्ततः देवता विजयी होते है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के दौरान अमृतकमण्डल कमण्डल मोहिनी वेषधारी भगवान विष्णु के पास ही रहता है। पुराण कथा का यह कमण्डल किस प्रकार कलश अथवा कुम्भ में परिवर्तित हो गया, और इन्द्रपुत्र जयन्त को वहाँ पहुँच कर कब इसे छीनने का अवसर मिला इस सम्बन्ध में परम्परागत मत के समर्थक विद्वान कुछ प्रकाश नहीं डालते।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामायण में कुम्भ का उल्लेख किया है कि - को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ। कलुष पुंज कुंजर मृगराऊ॥ अस तीरथपति देखि सुहावा। सुख सागर रघुबर सुखु पावा॥ अर्थात पापों के समूह रूपी हाथी के मारने के लिए सिंह रूप प्रयागराज का प्रभाव (महत्व-माहात्म्य) कौन कह सकता है। ऐसे सुहावने तीर्थराज का दर्शन कर सुख के समुद्र रघुकुल श्रेष्ठ श्री रामजी ने भी सुख पाया॥ रामायण में यह वर्णन भगवान राम के वनवास काल का है जिसमें कुम्भ का उल्लेख नहीं है लेकिन इस बात कि स्वीकारोक्ति है कि भारतवर्ष के धार्मिक स्थलों में प्रयाग का स्थान सर्वोपरि है। जहाँ अन्य तीर्थस्थल किसी एक नदी के तट पर स्थित है. यह तीन नदियों के पवित्र संगम पर स्थित है। हिन्दुओं द्वारा लिखित ग्रन्थों, तुलसीदासकृत रामचरितमानस (18वीं सदी), सुजानराय रचित खुलासात-अल्-तवारीख (1695 ई.). राय चतरमन कायस्थ रचित चहार गुलशन (1759 ई). बहादुरसिंह भटनागर कृत यादगारे-बहादुरी (1833 ई). भोलानाथ चन्दर की 'ट्रेवेल्स ऑफ ए हिन्दू (1889 ई.). में भी प्रयाग के माघस्नान या वार्षिक मेले का विवरण तो मिलता है, किन्तु कुम्म अथवा छड या बारह वर्ष पर होने वाले पर्व का कोई संकेत नहीं मिलता। जबकि हिन्दू संस्कृति से भलीभांति परिचित होने के कारण वे लेखक, यदि ऐसा मेला उनके समय में प्रचलित होता तो, उसका उल्लेख जरूर करते। काशी, मथुरा, अयोध्या, उज्जैन इत्यादि अन्य नगरियों में किसी एक देवविशेष की उपस्थिति मानी जाती है, जबकि प्रयाग में सभी देवताओं का सामान्य निवास माना गया है। स्नान, दान, वप्न तो किसी भी तीर्थ में हो सकता है, किन्तु कल्पवास का विधान तो सिर्फ यहीं के लिए है। विभिन्न तीर्थों में मनुष्य अपने पाप धोने के लिए जाया करते हैं, लेकिन समस्त तीर्थ अपनी-अपनी शुद्धि के लिए प्रयाग में ही आते हैं। इन्हीं विशिष्टताओं के दृष्टिगत पुराणादि ग्रन्थों में प्रयाग को तीर्थराज की पदवी से विभूषित किया गया है। वर्तमान समय में प्रयागकुम्भ मेले में 50 करोड़ लोग स्नान कर चुके है जिसकी प्रसिद्धि समूचे विश्व में है ओर दुनियाभर के लाखों विदशी भी कुम्भ स्नान को आ रहे है। कुम्भ मेले को लेकर कहा जाता है कि कुम्म मेला प्रयाग के अलावा हरिद्वार, उज्जैन तथा नासिक में भी होता है, लेकिन स्नानार्थियों की सर्वाधिक भीड़ प्रयाग में ही होती है, जो इसकी महत्ता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विश्वभर में किसी एक अवसर पर लोगों की सबसे विशाल भीड़ इकट्?ठा होने का कीर्तिमान प्रयाग के कुम्भवर्ष में इस वर्ष देखने को मिला जिसमें 50 करोड़ का आंकड़ा पार करना आश्चर्यजनक है ओर दुनिया इससे अचंभित है। इसके पूर्व बीसपी शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, विशेषतः 1954 ई. के इलाहाबाद के कुम्भ मेले में हुई दुर्घटना के पत्वात देश-पिटेश के विद्वानों ने कुम्भपर्व की ऐतिहासिकता निर्धारित करने की ओर बड़ी रुचि दिखायी किन्तु इसपर हम ध्यान नहीं दे पाये परिणाम स्वरूप इस बार कुम्भ मेले में भगदड़ से 50के लगभग तथा दिल्ली स्टेशन से कुम्भ आने वाले 20 यात्रियो कि गिरकर दबने से मौत सहित कुछ दर्जन भर स्थानो पर दुर्घटनाओं कि खबर आ चुकी है।

धर्म सदा से ही श्रद्धा का विषय रहा है, जिसमें तर्क की कार्ड गुंजाइश नहीं होती। अतः कुम्भ जेसी धार्मिक परम्परा की प्राचीनता भी सर्वस्वीकार्य थी। उसके समर्थन में कोई तर्क देने अथवा साक्ष्य जुटाने की न तो कोई कोशिश कभी की गयी और न ही इसकी आवश्यकता समझी गयी। हालांकि मीडिया कि खबरों में देश-विदेश के अनेक विद्वानों का ध्यान कुम्भपर्व की ऐतिहासिकता की ओर आकर्षित हुआ है जिसमें मुख्यतः दो प्रकार के दृष्टिकोण सामने आए ओर मीडिया ने इसे श्रद्धामूलक परम्परागत दृष्टिकोण के अलावा समुद्रमन्धन से प्राप्त अमृत कलश को धन्वन्तरि से छीनकर इन्द्रपुत्र जयन्त द्वारा आकाश-मार्ग से ले जाते समय अमृत की बूँदें छलक कर, पृथ्वी में चार स्थानों पर गिरकर, यहाँ की जलधारा में मिल गयीं। उस अमृत-जल सम्मिश्रण से तत्तत स्थानों पर उन नदियों की जलधारा की पवित्रता, अघमर्षणता और त्रिविधतापनिवारण क्षमता में अद्भुत चमत्कार आना स्वाभाविक चमत्कार से फलित ऐहिक आमुष्मिक कल्याण प्राप्त करने की उत्कट लालसा में, जिस विशिष्ट खगोलीय स्थिति / यह योग में कुम्भस्थ अमृत छलक कर जलधारा से मिला था. उसी विशिष्ट ग्रहयोग के समुपस्थित होने पर. तदतद् स्थान पर कुम्भयोग मानकर स्नान-दान आदि परम्परा पर ही चर्चा चल रही है जिसके समर्थन में वेद-पुराण आदि पुरातन ग्रन्थों के अनेक उद्धरण प्रस्तुत किए जा रहे है, देखे प्रमुख उद्धरण -जधान पूत्र स्वधितिर्वनेव सरोज पुरो अरदन्न सिन्धून् । विनंट गिरि नवमिन्त कुम्भमा गा उन्द्रों अकृणुत स्ययुग्मिः ।।पूर्णः कुम्भावि काल आहितस्तं वे पश्यामी बहुधा न सन्तः । स उमा विश्वा भुवनानि प्रत्याल तमाहुः परम व्यामन।। (ब) कुम्मो वनिष्टुर्जनिता शचीभिर्यस्मिन्नग्ने योन्यां गर्मो अन्तः। प्लाशिर्व्यक्तः शतधार उत्सो दुठे न कुम्भी स्वधां पितृभ्यः ।।'

कुम्भ मेले के प्रवर्तक के रूप में जो नाम सामने आया है वह है जगतगुरु आदि शंकराचार्य का जिन्होने अपने जीवनकाल 788 ई से 820 ई मे सनातन धर्म के बौद्ध धर्म ओर मुगलों के आक्रमण से बचाने केलिए सर्वप्रथम चार मठों की स्थापना कर साथ-साथ चार स्थानों पर दशनामी संन्यासियों के अखाड़ों की नींव डाली और उन्हें चार पवित्र धार्मिक स्थलों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन तथा नासिक, जहाँ पहले से ही मिन्न-भिन्न मुहूर्तों में स्नानदान करने की पुराणप्रोक्त परम्परा थी, पर अनुयायियों समेत विशिष्ट अवसरों पर प्रवास कर स्नानादि करने की अनुज्ञा दी। अखाड़ों द्वारा यह नियतावधिक प्रवास तथा स्नानादि का पर्व ही परवर्ती काल में कुम्भपर्व के रूप में प्रसिद्ध पा चुका था। कुछ का मत है कि प्रयाग का प्राचीन मेला बौद्धकाल में महादानपर्व के रूप में आयोजित होता था. जिसे शंकराचार्य ने व्यवस्थित कर वर्तमान कुम्मपर्व के रूप में परिवर्तित कर दिया। उनके शिष्य सुरेश्वराचार्य ने उनके निदेर्शानुसार, जनसाधारण से सम्पर्क करने तथा उन्हें धर्माचरण के नियमों से अवगत कराने के लिए प्रत्येक बारहवें वर्ष कुम्भपर्व में दशनामी संन्यासियों का भाग लेना आवश्यक कर दिया। कुम्भपर्व प्रारम्भ करने का श्रेय आदि शंकराचार्य के अलावा अथवा मधुसूदन सरस्वती को देते हैं। मधुसूदन सरस्वती (1525-1642 ई.) ने मुगल शासकों द्वारा हिन्दू प्रजा पर अत्याचार और हिन्दू देवालयों को तोडने से खिन्न होकर संन्यासियों को शास्त्र के साथ शस्त्र की शिक्षा दिलवाकर सर्वप्रथम 'अखाड़ों के रूप में संगठित किया था। जहाँ ये अपनी छावनी बनाकर अस्थायी रूप से रहते थे। उस समय इनके लिए एक (तीर्थ) स्थान से दूसरे (तीर्थ) स्थान के लिए आने-जाने में बहुत समय लग जाता था. अतः धीरे-धीरे, इनकी छावनी प्रत्येक स्थल में एक नियमित अन्तराल में ही दुबारा आ पाती थी। अखाड़ों की छावनी लगना और कुम्भपर्व एक दूसरे के पर्याय है।

क्या जघन्य अपराधियों की न सुनी जाये पैरोल की अर्जी

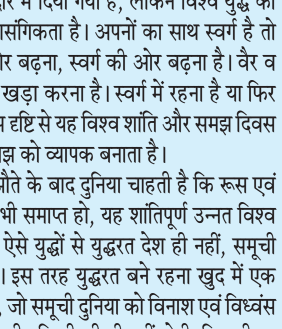

पैरोल सुधार और पुनः एकीकरण पर आधारित है, लेकिन जब इसका उपयोग गंभीर अपराधों के लिए किया जाता है, तो यह नैतिक और कानूनी दुविधाएँ पैदा करता है। मानवाधिकारों और पुनर्वास के सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, भले ही न्याय दंड और रोकथाम की मांग करता हो। आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण कदम पैरोल है। यह कैदियों को समाज में पुनः एकीकृत करने में सहायता करने के लिए दिया जाने वाला एक प्रकार का विचार है। यह कैदी की सामाजिक पुनर्प्राप्ति के लिए एक उपकरण से अधिक कुछ नहीं है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर गलत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं। चूँकि हमारी जेलें अहिंसक अपराधियों से सचमुच भरी हुई हैं, इसलिए पैरोल से जेल में बंद लोगों को अपने प्रियजनों के साथ अपनी सजा के बचे हुए हिस्से को पूरा करने का मौका मिलता है, जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की उन पर कड़ी नजर रहती है। यह हर दिन लाखों रुपयों की टैक्स बचत करता है और पूरे समाज के लिए एक बेहतरीन व्यवस्था है। बहुत कम बार आप किसी हिंसक अपराधी के बारे में सुनते हैं जो पैरोल पर रिहा हुआ और फिर एक और हिंसक अपराध करने लगा।

ज्यादातर हिंसक अपराधी किसी भी मामले में अपनी सजा का कम से कम 85% हिस्सा पूरा करते हैं। लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं है कि पैरोल से पीड़ितों और उनके परिवारों की न्याय की भावना कमजोर हो सकती है। आतंकवाद, बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के खिलाफ मजबूत रोकथाम होनी चाहिए। रोकथाम बनाए रखने के लिए, 2012 के निर्भया मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को खतरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार-बार अपराध करते हों। बार-बार अपराध करने के कारण, 2013 के शक्ति मिल्स सामूहिक बलात्कार मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। राजनीतिक प्रभाव से न्याय में विश्वास को नुकसान हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप पैरोल की मंजूरी मिलती है जो वारंटेड नहीं होती है। टी. पी. चंद्रशेखरन हत्या मामले में पैरोल कथित तौर पर राजनीतिक दबाव के कारण दी गई थी। इन अपराधों में शामिल क्रूरता और पूर्व-योजना के कारण, सुधार चुनौतीपूर्ण है। 2018 के कठुआ बलात्कार मामले ने स्पष्ट कर दिया कि दया से रहित कठोर दंड की आवश्यकता है। भारतीय न्यायालयों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पैरोल पर रिहा किए गए लोगों को संतानोत्पत्ति और विवाह के अपने अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है। हालाँकि, चूँकि विवाह के अधिकार को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, इसलिए इस आधार पर पैरोल देने से समलैंगिक कैदियों के समानता के अधिकार से समझौता होता है। सभी कैदियों के लिए समानता और समावेशिता की गारंटी देने के लिए, न्यायालय अनुच्छेद 21 के तहत अंतरंगता के अधिक सामान्य अधिकार से पैरोल को जोड़ सकते हैं। नेल्सन मंडेला नियम (2015), कैदियों के उपचार के लिए संयुक्त राष्ट्र मानक न्यूनतम नियम, का एक प्रमुख घटक सुधार है। पैरोल एक अधिकार है, न कि विशेषाधिकार, जैसा कि न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने कई फैसलों में जोर दिया है। सामान्य प्रतिबंध होने के बजाय, व्यवहार मूल्यांकन के आधार पर पैरोल दी जानी चाहिए। आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप 2023 में महाराष्ट्र में पुनरावृत्ति में कमी आई। पैरोल अनुरोधों का मूल्यांकन न्यायालयों द्वारा पहले से ही योग्यता के आधार पर किया जाता है, जिससे सुरक्षा और न्याय की गारंटी मिलती है। हरियाणा राज्य बनाम जय सिंह (2003) में, सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की कि पैरोल निष्पक्ष मानकों के अनुसार दी जानी चाहिए। अनुच्छेद 21 (सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार) का उल्लंघन पैरोल की संभावना के बिना जेल में आजीवन कारावास द्वारा किया जा सकता है, यदि सुधार प्रदर्शित किया जाता है। श्रीहरन (2015) के अनुसार, किसी को पैरोल से पूरी तरह से वंचित करना असंवैधानिक है। नॉर्वे जैसे देशों में धीरे-धीरे पुनः एकीकरण पर जोर देकर, यहाँ तक कि जघन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों के लिए भी पुनः अपराध दर कम हो गई है। पुनर्वास न्याय के अपने मॉडल की बदौलत नॉर्वे में दुनिया में पुनरावृत्ति की सबसे कम दरें हैं। जैसा कि आमतौर पर जाना जाता है, मजबूत प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव से पैरोल प्रशासन की प्रभावशीलता बाधित हुई है। कार्यक्रम के लक्ष्य से नियमित रूप से समझौता किया जाता है और कई अनुचित अपराधियों को प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पैरोल दी जाती है। पैरोल के सम्बंध में, एक अच्छी तरह से परिभाषित न्यायिक नीति आवश्यक है और किए गए कार्यकारी कर्तव्यों की अदालतों द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए। हमारे कानून निमार्ताओं के लिए हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक बदलाव करने का समय आ गया है। इन बदलावों में कैदियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रगतिशील तरीके से पर्यवेक्षित रिहाई प्रणाली को लागू करने के लिए मजबूत दिशा-निर्देश बनाना, लगातार पैरोल कानून बनाकर यह साबित करना कि यह पुनर्वास के लिए एक प्रभावी उपकरण है और भारत में पैरोल के दुरुपयोग को रोकने के लिए जाँच और संतुलन स्थापित करना शामिल होना चाहिए। सरकार को जेलों में भीड़भाड़ के बारे में चिंतित होना चाहिए और उन्हें तुरंत इस पर गौर करना चाहिए। भयानक अपराधों के लिए पैरोल को सीमित करते समय न्याय, निवारण और पुनर्वास सभी पर विचार किया जाना चाहिए। सख्त न्यायिक निगरानी के साथ पारदर्शी, योग्यता-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके व्यापक प्रतिबंधों के बिना सार्वजनिक सुरक्षा और नैतिक निष्पक्षता की गारंटी दी जा सकती है। पैरोल एक ऐसी चीज है जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती, जैसा कि स्पष्ट है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

मनपा एफ नार्थ सहायक आयुक्त नितिन शुक्ला ने फुटपाथ के फेरीवालों पर की कारवाई

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। माटुंगा एफ नार्थ विभाग के सहायक आयुक्त नितीन चंद्रप्रताप शुक्ला ने अपना पदभार ग्रहण करने के बाद अधीनस्थ क्षेत्र में निडरता पूर्वक सामान्य व्यक्ति की तरह पैदल यात्रा करते हुए संपूर्ण क्षेत्र का दौरा एवं निरीक्षण किया। तत्पश्चात फुटपाथ पर अवैध कब्जा करके धंधा करने वाले एवं हाथ गाड़ियों के कारोबारियों के विरुद्ध गहनता से जांच परख करते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किया। पश्चात स्वयं की उपस्थिति में उच्च अधिकारियों, मनपा कामगार, पुलिस प्रशासन सुरक्षा से भंडारकर रोड़, तेलंग रोड, शास्त्री मार्केट, लखमी नप्पू रोड, दादर ईस्ट स्टेशन, भाऊदाजी रोड़, गांधी मार्केट के साथ अधिनस्थ क्षेत्र में कारोबारियों के अवैध निर्माण ध्वस्त करके माल मत्ता जप्त करके वाहन से मनपा के गोडाउन पर पहुंचाया गया। संपूर्ण क्षेत्र में सहायक आयुक्त द्वारा की गई कारवाई को देखते हुए स्थानीय निवासियों में चर्चा का विषय रहा। मुंबई की जनता जनार्दन का केंद्र बिंदु यह है कि सहायक आयुक्त नितिन शुक्ला की तरह मुंबई महानगर पालिका के प्रत्येक अधिकारी इमानदारी पूर्वक कार्य का निर्वहन करेंगे तो आने वाले भविष्य में मुंबई को स्वच्छ हरित बनाने एवं अवैध निर्माण से मुक्ति दिलाने हेतु किसी प्रकार की शंका नहीं रहेगी। अवैध निर्माण सड़कों को गन्दगी करने वालों के साथ सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही के कदम उठाने का विचार विमर्श किया जा रहा है। अब यह देखना है कि हाथ गाड़ी (ठेलागाड़ी) पर कारवाई कब होगी।

जंगलेश्वर महादेव मंदिर में भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्वी उपनगर घाटकोपर के पश्चिम जंगलेश्वर महादेव मंदिर मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध श्री जंगलेश्वर महादेव मंदिर में भव्य महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया है। जंगलेश्वर भक्त मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश सदाशिव सुर्वे के मार्गदर्शन में 25 से 27 फरवरी तक तीन दिनों के लिए महाशिवरात्रि महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया है। असल्फा गांव के कुलकर्णी वाडी में स्थित स्वयंभू जंगलेश्वर महादेव मंदिर लगभग 175 साल पुराना है। पहले यहां नागा साधु पूजा-अर्चना करते थे और महाशिवरात्रि का त्योहार मनाते थे। समय के साथ आबादी बढ़ने पर साधुओं ने यह स्थान छोड़ दिया। 1985 में स्वर्गीय सदाशिव उर्फ ??बाल मामा सुर्वे ने इस छोटे से जंगलेश्वर मंदिर का भव्य निर्माण कराया और महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन शुरू किया। जंगलेश्वर भक्त मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश सदाशिव सुर्वे के नेतृत्व में आज भी यह उत्सव मनाया जाता है। चार दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम मंगलवार, 25 फरवरी, 2025 को दोपहर 2 बजे अखंड रामायण पाठ शुरू होगा और शाम 7 बजे अखंड रामायण पाठ समाप्त होगा। बुधवार, 26 फरवरी, 2025 को महाशिवरात्रि पर, षोड्पचार पूजा सुबह 3.30 बजे शुरू होगी, महाआरती और एक कुंडीय रुद्र यज्ञ और महामृत्युंजय जाप सुबह 4 बजे शुरू होगा, महाआरती दोपहर 12 बजे शुरू होगी, एक कुंडीय रुद्र यज्ञ शाम 7 बजे समाप्त होगा और महाआरती शाम 7 बजे समाप्त होगी। गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 को श्री सत्यनारायण महापूजा और आरती और शाम को महाप्रसाद (भंडारा) वितरित किया जाएगा। हजारों भक्त इस महा प्रसाद का लाभ उठाते हैं। जंगलेश्वर भक्त मंडल ट्रस्ट के सदस्य और पदाधिकारी इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेस के आय में तीसरी तिमाही में वृद्धि हुई

मुंबई। टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर बीएलएस ई-सर्विसेस लिमिटेड (बीएलएसई) ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीने के अवधि के लिए अपने समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बीएलएस ई-सर्विसेस लिमिटेड की तिमाही के लिए कुल आय 133.1 करोड़ रुपये थी, जबकि वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में यह 72.8 करोड़ रुपये थी, यानि इसमें 82.7% की वृद्धि हुई। इसमें आदिफिडेलिस सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और उसके सहयोगियों की कुल आय 52.8 करोड़ रुपये शामिल हैं, जिसे 26 नवंबर 2024 से समेकित किया जा रहा है। एबिटा वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 11.5 करोड़ रुपये की तुलना में 21.2 करोड़ रुपये रहा, जो साल दर साल 84.8% अधिक है। एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 15.8% की तुलना में वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 15.9% रुपये रहा। एएसपीएल ने समेकित अवधि के लिए 4.4% का एबिटा मार्जिन दर्ज किया। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 7.9 करोड़ रुपये पीएटी रहा था, जो 76.3% बढ़कर 14.0 करोड़ रुपये हो गया। पीएटी मार्जिन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 11.0% रहा। एएसपीएल को छोड़कर एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 23.5% और पीएटी मार्जिन 16.5% रहा।

बीएलएस ई-सर्विसेस लिमिटेड के चेयरमैन शिखर अग्रवाल ने कहा,हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी में हमने वार्षिक आधार पर (साल-दर-साल) पर कुल आय और कर पश्चात लाभ में क्रमशः 82.7% और 76.3% की वृद्धि दर्ज की है। इस तिमाही में हमने एएसपीएल में 57% नियंत्रित हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा किया, जो कि कॉर्पोरेट और पर्सनल लोन डिस्बर्समेंट एवं प्रोसेसिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी है। इस अधिग्रहण के लिए हमने आईपीओ से प्राप्त पूंजी का एक हिस्सा लगाया, जैसा कि जारी किए गए उद्देश्यों में निर्धारित था। हमारे नेटवर्क का विस्तार अब 41,500+ चैनल सर्विस पार्टनर्स और 1,36,700+टचपॉइंटस तक हो गया है। जिसमें एएसपीएल का 8,600 चैनल सर्विस पार्टनर्स का मजबूत नेटवर्क भी शामिल है, जो हर महीने 1600+ करोड़ रुपये के लोन डिस्बर्समेंट को सुगम बनाता है। इस अधिग्रहण से हमारा बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेवाओं से प्रभाव बढ़ा है, जिसमें भविष्य में इस क्षेत्र में और अधिक वृद्धि की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त इस तिमाही में बीएलएस ई-सर्विसेस लिमिटेड ने कैनरा बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध प्राप्त किए हैं।

टाटा म्यूचुअल फंड ने पटना में नई शाखा खोलकर बिहार में बढ़ाई अपनी उपस्थिति

मुंबई/पटना। टाटा एसेट मैनेजमेंट की पटना में औसत प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एएयूएम) जनवरी 2025 तक बढ़कर लगभग 958 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 46% अधिक है। इसमें इक्विटी, डेट, बैलेंस्ड फंड और ईटीएफ (नकदी सहित) में निवेश शामिल हैं। कंपनी की पटना में खोली गई नई शाखा का पता है - टाटा एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, को-वर्किंग स्टूडियो, कंकड़बाग, ए/3, पी सी कॉलोनी रोड, आरबीआई फ्लैट्स कॉलोनी, बैंकमैन कॉलोनी, पटना, बिहार - 800020 । इसका उद्घाटन हेमंत कुमार ने किया। यह शाखा सोमवार से शनिवार तक सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुली रहेगी। पटना में खुली यह शाखा, धन प्रबंधन और दीर्घकालिक निवेश योजना पर मार्गदर्शन चाहने वाले लोगों, परिवारों और व्यवसायों को मदद करेगी। म्यूचुअल फंड उत्पादों और व्यक्तिगत वित्तीय समाधानों के व्यापक समूह के साथ टाटा म्यूचुअल फंड का लक्ष्य है, निवेशकों को आत्मविश्वास के साथ बाजार चक्रों (मार्केट साइकिल) से निपटने के लिए आवश्यक जानकारी और तरीकों से लैस करना। टाटा एसेट मैनेजमेंट के मुख्य वितरण और डिजिटल अधिकारी, हेमंत कुमार ने इस शाखा के खोले जाने पर अपनी टिप्पणी में कहा, ꞉हमें इस अपार विकास क्षमता वाले शहर में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर खुशी हो रही है। यह रणनीतिक कदम बिहार में निवेशकों को सुलभ, दीर्घकालिक धन-सृजन के अवसर और बेहतर वित्तीय साक्षरता प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 तक, बिहार के निवेशकों का औसत एयूएम 68,216 करोड़ रुपये था, जिसमें से पिछले दो वर्षों में वृद्धि दर 36% रही। (स्रोतः एएमएफआई) इस विस्तार के साथ, टाटा म्यूचुअल फंड की अब बिहार में 3 शाखाएं है और देश भर में कुल मिलाकर 100 शाखाओं का नेटवर्क है।

डॉ .बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय की शानदार जीत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विद्या विकास एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय विक्रोली ने मुंबई स्कूल स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एमएसएसए) द्वारा आयोजित अंतरशालेय स्कूल शील्ड (अंडर-14) क्रिकेट टूनामेंट में ज्ञानदीप सेवा संघ को 6 विकेट से हराकर खिताब जीत लिया। एमसीए के शरद पवार ग्राउंड पर हुए इस मैच में पहली बार एलीट ग्रुप में खेल रहे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय ने 204 रन बनाकर 137 रनों की बढ़त ले ली। कुमार ओम लोखंडे ने 7 विकेट लेकर 81 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। दूसरी पारी में ज्ञानदीप संघ के 192 रन पर आउट होने के बाद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय ने 7 विकेट से जीत दर्ज की।

टीम की जीत का श्रेय मुख्य संरक्षक, संगठन के सचिव डॉ. विनय राउत, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अनघा राउत, प्रिंसिपल सुजाता घोडके, कोच जयेश उटेकर और गणेश पालकर के मार्गदर्शन में दिया गया। टूनामेंट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अद्वित तिवारी, बेहतरीन क्षेत्ररक्षक, अर्णव शेलार, तथा फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ओम लोखंडे बने।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 20 लाख लोगों को मिलेगा उनके हक का पक्का घरः गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 20 लाख लोगों को उनके 'हक का पक्का घर' मिलने की घोषणा का उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने तहे दिल से स्वागत किया है ।इस योजना के अंतर्गत पात्र नागरिकों में 20 लाख लोगों को उनके 'हक का पक्का घर' देने का ऐलान होने पर इस योजना को जनसेवक गोपाल शेट्टी ने ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री अजित दादा पवार का आभार माना और उनको धन्यवाद दिया है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मोदी सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए मीडिया से कहा कि मध्यमवर्गीय नागरिक चाहे वे किसान हों, छोटे-मोटे व्यवसायी या अन्य काम करनेवाले लोग हों , फेरीवाले हों या फिर झोपड़ों में रहने वाले नागरिक हों, इन सभी को न्याय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम की सर्वत्र सराहना हो रही है ।आजादी के 75 सालों बाद अब गरीबों के बारे में सिर्फ बात ही नहीं होती है बल्कि उनके हित में ठोस कदम भी उठाये जाते हैं। मोदी जी के 20 लाख लोगों के लिए हक के पक्के मकान के कदम की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। मोदी जी के इस कदम से गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को उनके हक का पक्का घर तो मिलेगा ही इन सभी सर्वसामान्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आएगा। इसके साथ ही देश की जीडीपी को भी इस निर्णय का लाभ मिलेगा ऐसा मेरा मानना है।।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कहा कि मैं यह भी कहना चाहुंगा की पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी ने लोकसभा में एक बार कहा था कि भारत देश को अगर आगे बढ़ाना है तो कुछ साल देवी देवताओं की पूजा ना करते हुए सभी लोगों को एकजुट होकर भारतमाता की पूजा करना चाहिए। उनके वाक्यों को आगे ले जाते हुए मैं कहना चाहूंगा कि देश के सभी विरोधी पार्टी के नेता देश के सर्व सामान्य लोगों को न्याय दिलाने के लिए आने वाले 10 साल तक मोदी जी के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करने का मन बना लें जिससे देश में सर्व सामान्य लोगों को न्याय तो मिलेगा ही दुनिया के नक्शे पर भी हमारा देश उच्च पायदान पर होगा।

जनसेवक शेट्टी ने अंत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एक छोटा सा कार्यकर्ता होने के नाते मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि मैं अपने परिसर में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर के सपनों को भी साकार करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़वणीस जी, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जी , उप मुख्यमंत्री अजित दादा पवार के कुशल नेतृत्व में काम करते हुए सबको उनके हक का पक्का घर प्राप्त हो इसके लिए भाजपा के सभी कार्यकताओं ने संकल्प लेने की आवश्यकता है।

हिन्दु जन जागृति समिति ने दादर में बांग्लादेशियों के खिलाफ मोर्चा खोला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विगत कई वर्षों से देश के अनेकों शहरों में भारी संख्या में बांग्लादेशी और रोहिंगिया ने घुषपैठ कर लिया है ।मुंबई के अनेक ठिकानों से पुलिस की कारवाई में बड़ी संख्या में बांग्ला देशी पकड़े जा रहे हैं ।सरकार तक अपनी बातें पहुंचाने और पुलिसिया कारवाई को और भी तेज करने के लिए हिन्दु जन जागृति समिति के मुंबई समन्वयक बलवंत पाठक के संयोजन में दादर पश्चिम सुबिधा केन्द्र के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन और हस्ताक्षर अभियान चलाया गया ।इस मौके मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी के ओजस्वी भाषण सुनने के लिए देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई ।लोग घंटों तक उनके विचारों को सुनते तालियां बजाते रहे। भवानजी ने कहा कि अगर हम बंटे तो हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए आज सभी दलित, आदिवासी, वनवासी, पिछड़ों, सिखों, और जैन धर्मावलंबियों को एकजुट होकर राष्ट्रीय हितों के लिए आवाज उठानी होगी और अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को जड़ से खत्म करना होगा। सनातन हिन्दु धर्म के पुरोधा देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वातंत्र्य वीर सावरकर की ओवर ब्रिज पर बनी हुई तस्वीर ने निश्चित रूप से इस धरना प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया होगा ।धरना प्रदर्शन में भाजपा के विनोद तांवेडकर ने भी अपने विचार रखा ।कार्यक्रम का सुत्र संचालन और बाबूभाई भवानजी समेत सभी लोगों का आभार प्रकट किया प्रविणा पाटिल ने।

काशी विश्वनाथ मंदिर का 13वां स्थापना दिवस रुद्राभिषेक, हवन व महाभंडारे के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शिवतेज मित्र मण्डल तथा केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का 13वां स्थापना दिवस बुधवार 19 फरवरी 2025 को सत्यनारायण कथा, रुद्राभिषेक, हवन यज्ञ व महाभंडारे का आयोजन कर बड़े धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरूआत पुरोहित पंडित अरुण तिवारी उर्फ करिया महाराज के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की गई। उसके पश्चात मुख्य यजमान काशी विश्वनाथ मंदिर के संस्थापक तुलसीराम केवट सपत्नीक को पुरोहित पं. अरुण तिवारी उर्फ करिया बाबा द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक, सत्यनारायण पूजा, हवन यज्ञ कराया गया। वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के प्रांगण में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी उपस्थित जनों ने अभिवादन करते हुए हर्षोल्लास पूर्वक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस के मौके पर शिवतेज मित्र मण्डल तथा केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन की ओर महाप्रसाद रूपी विशाल भंडारे का आयोजन किया। जिसमें हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण करते हुए भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। काशी विश्वनाथ मंदिर के स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, शिवतेज मित्र मण्डल अध्यक्ष, केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भाजपा नेता तुलसीराम केवट, जीतू सिंह, के.बी.राय, राजीव यादव, सुनील शर्मा, सुनील लांडे, शिवाजी कदम, राजीव रंजन सिंह, आनंद परंडवाल, बाबू सिंह, शिवलाल गुप्ता, सुमित सिंह, संतोष साहनी, विनय पाण्डेय, राकेश राय, धर्मेंद्र शाह, बृजलाल, लालाजी यादव, राजू पाठक, राजीव सिंह, पप्पू सिंह, बलराम (बल्लू) अवस्थी, मायाराम गुप्ता, सर्वेश सिंह, संजय मास्टर, बृजेश सिंह, बजरंग राय, केशव यादव, मूरत सिंह, सोनू जहांगीर, सूर्यनारायण चौधरी, राम सिंह, संजय बावरे आदि का विशेष योगदान रहा।

जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय अंतर्गत स्थित पालघर जिला परिषद कार्यालय में गुरुवार 20 फरवरी 2025 को मराठी पत्रकारिता के जनक आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की जयंती मनाई गई। इस मौके पर उपमुख्य व लेखा वित्त अधिकारी प्रभारी विकास पाटील ने आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

बतादें कि भारत के ब्रिटिश शासन काल की शुरूआत में प्रख्यात दर्पणकार आचार्य बालशास्त्री जांभेकर द्वारा मराठी पत्रकारिता की शुरूआत की गई थी। इसलिए आचार्य बालशास्त्री जांभेकर को मराठी पत्रकारिता के जनक के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने 6 जनवरी 1832 को मराठी भाषा में दर्पण नामक पहले समाचार पत्र का शुभारंभ किया था। ऐसे दर्पणकार मराठी पत्रकारिता के जनक आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की जयंती पालघर जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गुलाबराव पाटील शिव कल्याण पुरस्कार से सम्मानित

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक शिवजयंती उत्सव समिति द्वारा इस वर्ष भी कल्याण पूर्व में शिवजयंती के अवसर पर भव्य शिव प्रेरणा यात्रा निकाली गई। समिति की ओर से हर वर्ष शिवजयंती के अवसर पर शिव कल्याण पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष का शिव कल्याण पुरस्कार विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आनंददायी शिक्षा देने वाले, कोरोना काल में शिक्षकों से आर्थिक सहायता प्राप्त कर दिव्यांग व्यक्तियों को जीवनावश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर समाज के लिए उपयोगी कार्य करने वाले सम्राट अशोक विद्यालय के उपक्रमशील मुख्याध्यापक गुलाबराव पंडितराव पाटील को प्रदान किया गया ।इस अवसर पर विधायक सुलभा गायकवाड़, पुलिस उपायुक्त अतुलजी झेंडे, ट्रस्टी भगवान भोईर, नरेंद्र सूर्यवंशी, शिवजयंती उत्सव समिति की अध्यक्षा वंदना मोरे, पूर्व अध्यक्ष राजेश अंकुश, कृषि समिति के सभापति दत्ता गायकवाड़ तथा अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों के हाथों गुलाबराव पाटील को शिव कल्याण पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।इससे पूर्व भी गुलाबराव पाटील को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वे महाराष्ट्र राज्य शिक्षक परिषद, कोकण विभाग के अध्यक्ष हैं और शिक्षकों के न्यायिक अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहते हैं। परिषद के कोकण विभाग के कार्यवाह लक्ष्मण बालगुडे, राज्य उपाध्यक्ष एकनाथ दलवी व राज्य अध्यक्ष वेणूनाथ कडू ने गुलाबराव पाटील को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

खड़े ट्रक में टकराई क्रूजर जीप, छह की मौत, दो गंभीर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। मिर्जामुराद क्षेत्र के रुपापुर गांव के समीप नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की सुबह खड़े ट्रक में एक क्रूजर जीप जा भिड़ी। हादसे में महिला समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। क्रूजर की स्पीड इतनी तेज थी कि एक महिला का सिर धड़ से हो गया अलग, जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी एक क्रूजर जीप वाराणसी से प्रयागराज की तरफ महाकुंभ स्नान के लिए जा रही थी। इसी दौरान रूपापुर स्थित नेशनल हाईवे पर खड़े एक ट्रक में तेज रफ्तार क्रूजर पीछे से जा भिड़ी। इस हादसे में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला समेत चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं, एक की मौत रास्ते में हो गई। दर्दनाक हादसे में कार में एक महिला समेत दो लोग फंसे रहे। पुलिस ने क्रेन से जब ट्रक में फंसी जीप को बाहर निकाला तो देखा कि एक महिला का सिर ही उसके धड़ से अलग हो गया है। कार में सवार आधा दर्जन से ज्यादा श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की सूचना पाकर पहुंची मिर्जामुराद पुलिस ने एंबुलेंस से सभी घायलों को ट्रामा सेंटर भेज दिया। वहीं, मृतकों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। अस्पताल में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गिट्टी लदे ट्रेलर में पीछे से टकराई कार, सांसद पप्पू यादव की भांजी सहित चार की मौत, एक गंभीर

वाराणसी गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर गाजीपुर में हुआ हादसा

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर बिरनो थाना क्षेत्र के मिजार्पुर के पास शुक्रवार की भोर में भीषण सड़क हादसा हो गया। प्रयागराज महाकुंभ से पूर्णिया (बिहार) जा रही कार, गिट्टी लदे ट्रेलर में पीछे से घुस गई। इससे कार में सवार कुल पांच लोगों में चार लोग की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने उसे महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कॉलेज गाजीपुर में भर्ती कराया गया है। मृतकों में डॉक्टर सोनी यादव (32) दीपक झा (21) मोहम्मद सलाउद्दीन (40) और गायत्री देवी (60) हैं। सभी पूर्णिया के निवासी हैं। दूसरी तरफ, अस्पताल में गंभीर रूप से घायल का इलाज किया जा रहा है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की भांजी बताई जा रही हैं। डॉक्टर सोनी यादव की मां पप्पू यादव की मुंहबोली बहन हैं। प्रथम दृष्टया यह हादसा ड्राइवर को झपकी आने के कारण हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही सदर एसडीएम मनोज कुमार, कासिमाबाद क्षेत्राधिकारी अनिल चंद्र तिवारी, बिरनो और जंगीपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त की है। उन्होंने अपनी चचेरी बहन के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस भी बंधाया है।

भाषा को धर्म से जोड़ना गलत: मौलाना फैसल

अखिलेश से नाराजगी की वजह से उर्दू को बनाया जा रहा है निशाना, कहा- मदरसे में दिया जाता है इंसानियत का पाठ

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रतिष्ठित धर्मगुरु मौलाना फैसल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से नाराजगी के चलते उर्दू भाषा को धर्म से जोड़कर कर निशाना साधा रहे है। ऐसा करना बिल्कुल उचित नही है। उर्दू भारत मे बोले जानी भाषा है, यह किसी की जागीर नही है। उर्दू, हिन्दी और संस्कृति अल्फाजो का एक संगम है। भाषाओं पर सियासत ठीक नही है। वह शुक्रवार को नजीराबाद स्तिथ महादुल कुरान में पत्रकारो से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मदरसो में दी जाने वाली तालीम पर देश की जाँच एजेंसिया जाँच कर चुकी है। यहाँ सिर्फ इंसानियत का पाठ पढ़ाया जाता है। मदरसा बोर्ड पर सरकार की नीयत पहले से ठीक नही है। अब वक्फ बोर्ड को भी अपने अधीन कर लिया गया है। इतिहास गवाह है मुल्क को आजाद करने में सबसे ज्यादा फाँसी के फन्दों पर उलेमाओं ने ही शहादत दी है। मौलाना फैसल ने सदन में मुख्यमंत्री के अभिभाषण पर सवाल उठाते हुए कहा कि महाराज योगी आदित्यनाथ के खुद ही कई अल्फाज उर्दू के थे। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी अंतराष्ट्रीय स्तर पर मुहब्बत का पैगाम देने के लिए मुस्लिम राष्ट अध्यक्षों को गले लगा रहे है जबकि अपने देश में नफरत की राजनीति को हवा दी जा रही है। बीजेपी से मुसलमानों के बैर के प्रश्न पर धर्मगुरु ने कहा कि मुसलमानों का झुकाव सभी सियासी पार्टियों पर है। महाकुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुँचने पर कहा कि प्रयागराज में मुसलमानों ने दुनिया के सामने दरियादिली दिखा चुके है। वार्ता में मौलाना राफे, अब्दुल मलिक, हाफिज अब्दुल्लाह, इकरमा, कासिम, महमूद समेत अन्य लोग शामिल रहे।

दो दिवसीय दिव्य कला मेला एवं उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर व सहायक उपकरण वितरण

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद रोहनिया के अमरावती पुरुषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग विकास संस्थान व बचपन डे केयर सेंटर खुशीपुर में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग वाराणसी एवं चंद्रावती एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय दिव्य कला मेला एवं विशेष शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह एवं विकास सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया।मेले में दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल व व्हीलचेयर सहित सहायक उपकरण वितरण किया गया। मेले में दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का स्टॉल लगाया गया जिसका अवलोकन कर अतिथियों ने काफी सराहना किया। मेले में दिव्यांग बच्चों द्वारा गीत, नृत्य, नाटक सहित विभिन्न प्रकार के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रथम पाली में डॉ विनीता असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा संकाय बीएचयू द्वारा विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता एवं इससे संबंधित अधिनियम के बारे में जानकारी दी तथा द्वितीय पाली में डॉक्टर सतीश कुमार मिश्रा विभाग प्रमुख मानव संसाधन प्रशिक्षण विभाग किरण सेंटर माधोपुर द्वारा दिव्यांगता विशेषज्ञता, अधिगम निर्योग्यता, बौद्धिक अक्षमता एवं विकासात्मक दिव्यंगता के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत प्रबंध निदेशक चंद्रावती एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट अरविंद कुमार सिंह ने अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर किया।संचालन प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामकेश, चंद्रकला, विनोद मौर्य, ओंकारनाथ राय, जावेद आलम, सुनील झा, अंजना सिंह, अनीता यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

निरंकारी मिशन के 'प्रोजेक्ट अमृत' का तृतीय चरण

'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' की ओर एक सार्थक कदम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रोजेक्ट अमृत कार्यक्रम के तहत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन', परियोजना को साकार रूप देने के लिए दिनांक 23 फरवरी दिन रविवार को गोमती नदी के तट, रामघाट' को स्वच्छ करने का कार्य प्रातः 7:00 बजे से 10:00 बजे तक संत निरंकारी मिशन के सेवादारों व श्रद्धालुओं द्वारा अमरनाथ विश्वकर्मा (क्षेत्रीय संचालक) जी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इसके अलावा अमृत परियोजना का क्रियान्वयन जौनपुर जोन के सभी शाखाओं में किया जाएगा। यह जानकारी जौनपुर जोन के जोनल इंचार्ज अशोक कुमार सचदेव जी ने स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल जी को दिया। इसी क्रम में संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के, संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 23 फरवरी 2025 को परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में यमुना नदी के छठ घाट, आई.टी.ओ., दिल्ली पर किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्त्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। इसी प्रेरणा के साथ, इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है।ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरूकता, सेवा और समर्पण की एक सशक्त लहर उत्पन्न करे। संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिंदर सुखीजा जी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज भी अक्सर यही प्रेरणा देते हैं कि हम इस धरती को और भी अधिक सुंदर स्वरूप में छोड़कर जाएं। यह अभियान उसी संकल्प का एक साकार स्वरूप है, जो समाज को जागरूकता, सेवा और समर्पण की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

चिकित्सक डॉ.शेख जहाँ आरा एवं डॉ.अतुल कुमार यादव को किया गया सम्मानित

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सकों की संस्था नीमा शाहगंज के तत्वाधान में नगर के पक्का पोखरा स्थित सूर्या अस्पताल में यूनानी डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीमा के पूर्व अध्यक्ष डॉ.राज कुमार मिश्रा ने की.इस अवसर पर डॉ.सरफुद्दीन आजमी एवं डॉ.यावर शैख ने यूनानी डे पर प्रकाश डाला।डॉ.शरफुद्दीन आजमी ने इस औसर पर बताया की देश भर में यूनानी डे का कार्यक्रम सरकारी और गैर सरकारी तौर पर मनाया जाता है।हर साल पूरे देश में आयुष मंत्रालय यूनानी डे कार्यक्रम का आयोजन करता है। ये कार्यक्रम महान यूनानी चिकित्सक हकीम अजमल खान के जन्मदिन पर आयोजित किया जाता है।हकीम अजमल खान चिकित्सक के साथ साथ बहुत महान मुजाहिद आजादी थे।जब अंग्रेज भारत में आयुर्वेद एवं यूनानी पद्धति पर पाबन्दी लगा दिए थे तो हकीम अजमल खान इस के खिलाफ खड़े हुए और अंग्रेजों से आयुर्वेद और यूनानी का हक दिलाया।करोल बाग आयुर्वेद एवं यूनानी कॉलेज की स्थापना की. और यूनानी पद्धति को आम किया।भारतीय चिकित्सा पद्धति की तरक्की के लिए उन की सेवावो को भुलाया नही जा सकता।इस अवसर पर वरिष्ठ यूनानी महिला चिकित्सक, ममता नर्सिंग होम की संस्थापक डॉ शैख जहाँ आरा को स्मिरित चिन्ह, सम्मान पत्र एवं शाल दे कर सम्मानित किया गया। उन्होंने नीमा शाहगंज का धन्यवाद देते हुए कहा की मुझे खुशी है की संस्था ने शाहगंह में मेरी 40 वर्षों की सेवावों को सराहा तथा एक महिला चिकित्सक को सम्मानित कर के केवल मेरा नहीं बल्कि सभी इंटेग्राटेड महिला चिकित्सकों का सम्मान बढ़ाया। इस अवसर पर मशहूर आयुर्वेद चिकित्सक डॉ.अतुल कुमार यादय को भी सम्मानित किया गया. प्रोग्राम के अंत में नीमा अध्यक्ष डॉ.शौकत खान ने सभी सदस्यो का धन्यवाद किया।प्रोग्राम का संचालक डॉ.तारिक शेख ने किया। इस अवसर पर शाहगंज नीमा जनरल सीक्रेटरी डॉ.नदीम खान, डॉ.जे पी सेठ, डॉ.खुर्शीद आलम, डॉ. मनीष, डॉ.बलवंत सिंह, डॉ.शहला, डॉ. तंजीला, डॉ.आयशा के अलावा नीमा के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

मेंटरिंग भारत एवं ज्ञानस्थली फाउंडेशन द्वारा महाकुंभ में गंगा सेवा दूत के मध्य जूट के बैग का किया गया वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज महाकुंभ में मेंटरिंग भारत एवं ज्ञानस्थली फाउंडेशन द्वारा आज महाकुंभ में गंगा सेवा दूत के मध्य जूट के बैग का वितरण किया गया। गंगा सेवा दूत को संबोधित करते हुए मेंटेंनिंग भारत की मुख्य ट्रस्टी एवं चेयरपर्सन अलका प्रकाश द्वारा प्लास्टिक के द्वारा होने वाली हनियों के विषय में अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया की जो चाय हम प्लास्टिक के कप एवं पॉलीथिन में लेकर आते हैं उसमें कई प्रकार के रासायनिक तत्व रासायनिक क्रिया के पश्चात इकट्ठे हो जाते हैं। जिनको सेवन करने से कैंसर जैसे भयानक रोगों से हम लोग ग्रसित हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि पहले लोहे की कढ़ाई में भोजन बना करता था और हम लोग स्टील अथवा दोना पत्तल में खाया करते थे और उनका उपयोग करने से हम लोग स्वस्थ रहा करते थे। परंतु आजकल पानी व अन्य खाद्य पदार्थ प्लास्टिक के डिब्बो में हम तक पहुंचाते हैं। यह सब हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं जो पैकेज्ड फूड एवं फास्ट फूड जिनके हम बड़े चाव से खाते पीते हैं। उनकी हानियां अब धीरे-धीरे हमारे शरीर पर परिलक्षित हो रही है। आज चारों तरफ कैंसर के रोगियों की संख्या अचानक से बढ़ गई है। आज आवश्यकता है हमको इस प्रकार की जीवन शैली जीने की जिससे कि कैंसर जैसी भयानक बीमारी को रोका जा सके और उनसे लड़ने के लिए प्रतिरोधी क्षमता पैदा की जा सके। मेंटरिंग भारत की चेयरपर्सन अलका प्रकाश द्वारा महाकुंभ के लोगों एवं पॉलिथीन का प्रयोग ना करें। इस संबंधित स्लोगन युक्त जूट के बैग का भी वितरण गंगा सेवा दूत के मध्य किया गया और साथ ही उनको इस बात की शपथ दिलाई गई कि वह पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करेंगे और लोगों को पॉलिथीन प्रयोग न करने हेतु भी जागरूक करेंगे साथ ही नशा न करने की भी उनको शपथ दिलवाई क्योंकि सुपारी तंबाकू गुटका बीड़ी शराब आदि नशे के कारण आज हमारे युवाओं के मन मस्तिष्क एवं भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जिससे हमको लड़ने की आवश्यकता है।एक उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी जीवन शैली के लिए हमको नशा मुक्त भारत स्वस्थ युवा एवं स्वावलंबी युवा तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए हम सबको जड़ संकल्पित होकर नशा मुक्त भारत बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ ज्ञान प्रकाश सेक्टर मजिस्ट्रेट 9 एवं 10 के द्वारा गंगा सेवा दूत के द्वारा इस महाकुंभ में किए गए कार्यों को सराहा गया साथ ही मेला प्रशासन की ओर से उनको धन्यवाद भी दिया गया उत्तर प्रदेश सरकार ने जिस विश्वास एवं लक्ष्य के साथ गंगा सेवा दूतों को इस महाकुंभ में उतारा था उसको उनके द्वारा धरातल पर जीवन्त किया गया जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।' उन्होंने अपने कार्यों को जिस मनोयोग एवं तत्परता के साथ किया है उससे हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। इस अवसर पर क्लीनिंग इंस्पेक्टर अरुण कुमार नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पर्यवेक्षक एवं लेखपाल अभिषेक कुमार काम बफेलो अभियान पर्यवेक्षक एवं लेखपाल लाल बहादुर ज्ञानस्थली की चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी श्रीमती सुषमा पांडे उपस्थिति रही।

अधिवक्ता संशोधन अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रस्तावित अधिवक्ता संशोधन अधिनियम 2025 के विरोध में बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर दीवानी व कलेक्ट्रेट के अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। दीवानी बार के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव व मंत्री रण बहादुर यादव के नेतृत्व में अधिवक्ता नारेबाजी प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां कलेक्ट्रेट के अध्यक्ष घनश्याम सिंह व मंत्री मनोज मिश्रा के साथ प्रशासनिक अधिकारी को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने प्रस्ताव में लिखा कि अधिवक्ता अधिनियम में संशोधन अधिवक्ताओं के हितों पर हमला करने के लिए लाया गया है।राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर इस संस्था का लोकतांत्रिक अस्तित्व एक झटके में खत्म करने का प्रावधान इन संशोधन में है। अधिवक्ताओं ने मांग किया कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू किया जाए व संपूर्ण एडवोकेट्स अमेंडमेंट बिल 2025 के पूरे संशोधन को तत्काल निरस्त किया जाए। आंदोलन में पूर्व अध्यक्ष ब्रजनाथ पाठक, समर बहादुर यादव, रमेश चंद्र उपाध्याय,प्रेमनाथ पाठक, हिमांशु श्रीवास्तव, देवी प्रसाद सिंह, राजनाथ चैहान, मोहम्मद उस्मान, रूद्र प्रकाश यादव, विनय सिंह, आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

ससुराल से प्रताड़ित महिला व किशोरी ने परिवारिक कलह उबकर दी जान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्र में एक विवाहिता समेत किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। जिसमें विवाहिता ने ससुराल की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या किया है। पहली घटना जफराबाद थाना क्षेत्र की बीबीपुर गांव निवासी अब्दुल हमीद की 22 वर्षीय पुत्री आसिया बानो जिसका विवाह मडियाहू कोतवाली क्षेत्र के बारी गांव नेवादा में 2022 में मोहम्मद रियाज के साथ हुई थी। इस संबंध में विवाहिता ने एक दहेज उत्पीड़न का मुकदमा भी कर रखा था। बार-बार ससुराल के लोगों उत्पीड़न त्रस्त होकर गुरुवार शाम लगभग 6:00 बजे अपने मायके में कमरे में जाकर छत में लगी कटिया जिसमें पंखा लटकाया जाता है दुपट्टा बांधकर फांसी लगा लिया। कुछ ही देर बाद परिजनों की निगाह पड़ी तब उसे फांसी के फंदे से उतर कर पुलिस को सूचना दिया गया। इसी तरह जलालपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी अलाउद्दीन की 20 वर्षीय पुत्री गुलफिशा बानो गुरुवार के दिन में मां जब राशन कार्ड से राशन लेने गई हुई थी उसी समय उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इसके आत्महत्या का कारण द्वारा पारिवारिक कलह बताया गया है। पुलिस ने दोनों लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों घटनाओं की पुलिस छानबीन कर रही है।

पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों का एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीएमश्री योजनान्तर्गत जौनपुर में चयनित 38 परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापकों/सहायक अध्यापकों के क्षमता संवर्द्धन, एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से 01 दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम की उपस्थिति एवं नेतृत्व में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के आडोटरियम हाल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने दीप प्रज्वलित करके किया। डायट की छात्राओं ने मॉ सरस्वती वंदना तथा मुख्य अतिथि के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने मुख्य विकास अधिकारी का स्वागत करते हुए बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के प्रति आपके मार्गदर्शन से जनपद जौनपुर प्रदेश में सबसे अलग मुकाम पर है। उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार शर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग को प्रगति पर लाने हेतु पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों को नेतृत्व करने अद्भुत अवसर है।मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने जनपद जौनपुर के पी०एम०श्री० योजनान्तर्गत जौनपुर में चयनित 38 परिषदीय विद्यालयों के 138 प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी जनपद के 2800 से अधिक विद्यालयों के प्रेरणास्त्रोत बने। उन्होंने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी जनपद में अध्ययनरत लगभग 4 लाख से अधिक बच्चों के भविष्य के निमार्ता है।जो जनपद के साथ प्रदेश के भी भविष्य के खेवनहार है। यदि आप सभी पांच-पांच बच्चों को भी तैयार करें तो जनपद जौनपुर के साथ पूरा उत्तर प्रदेश देश के विकास में सबसे अग्रिम पंक्ति में आ जायेगा।कार्यशाला में प्रशिक्षण का कार्य खण्ड शिक्षा अधिकारी सुबास गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव एवं एसआरजी कमलेश व अजय ने किया। कार्यक्रम का संचालन खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पटेल ने किया। प्रशिक्षणोपरान्त सभी प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों/सहायक अध्यापकों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल व जिला समन्वयक प्रशिक्षण विशाल कुमार द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

क्षेत्र प्रमुख की अध्यक्षता में ब्लाक सभागार में हुई बैठक में 3.54 करोड़ के बजट पर लगी मुहर

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ब्लाक सभागार में शुक्रवार ब्लाक प्रमुख मांडवी विनय सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सदस्यों द्वारा नाली, खड़ंजा, इंटर लॉकिंग, खाद बिजली सहित दर्जनों मुद्दों को लेकर गहमा गहमी रही जिसमें क्षेत्र के विकास के लिए तीन करोड़ 54 लाख रुपए का बजट स्वीकृति हुआ जिस पर अध्यक्ष और सदस्यों की मुहर लगी। प्रमुख माण्डवी सिंह ने कहा क्षेत्र का विकास प्रमुख मुद्दा है हर जरूरत मंद लोगो के घर तक सड़क, बिजली, लाइट ही विकास का प्रमुख मुद्दा है खण्ड विकास अधिकारी सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने सरकार की दर्जनों योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। प्रमुख पति भाजपा नेता विनय कुमार सिंह ने कहा मोदी, योगी का मुख्य एजेंडा जरूरत मंद लोगों तक योजना का लाभ पहुचे। जिससे क्षेत्र का विकास हो ।मौके पर जिला पंचायत सदस्य राजेश यादव, प्रधान विनोद पाल, अंब्रिश यादव, प्रदीप सरोज, अखिलेश पटेल, राकेश बिंद सहित लोग रहे।

पीस कमेटी की बैठक में त्योहार में अफवाहों से सतर्क रहने की अपील

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना परिसर में महाशिवरात्रि रमजान व होली के त्योहार के मद्देनजर पीस कमेठी की बैठक की गई। थानाध्यक्ष महराजगंज ओमप्रकाश पांडेय ने सौहार्द पूर्वक त्योहार मनाने और अफवाहों से सावधान रहने की अपील की। अगर किसी को कोई शिकायत हो तो उसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें। हर सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और कहा कि गांव व क्षेत्र में अगर कोई व्यक्ति किसी तरह का अफवाह फैलाने की कोशिश करता है। जिससे मामला बिगड़ने की आशंका हो तो समय रहते पुलिस को सूचना जरूर दें ताकि मामले को बिगड़ने से बचाया जा सके। त्योहार को देखते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से महराजगंज थाने में पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें सभी से सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की गयी।साथ ही कहा कि माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले उपद्रवी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि ओम प्रकाश सेठ, रमजान अली, अब्दुल हक अंसारी, रंजीत यादव, अनिल श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, फिरोज अहमद, जमशेद अहमद सोनू, अंसार अहमद, भोला सेठ, आदि उपस्थित रहे।

महाकुंभ की धरती से मेंटरिंग भारत ने दिया पॉलिथीन मुक्त समाज का संदेश

प्रयागराज । गंगा सेवा दूत का धन्यवाद एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन मेंटरिंग भारत एवं ज्ञानस्थली फाउंडेशन द्वारा महाकुंभ 2025 में किया गया। इस अवसर पर गंगा सेवा दूत के मध्य जनजागरूकता एवं कैंसर मुक्त भारत की संकल्पना पर एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मेंटरिंग भारत का एक संकल्पयह पालीथीन मुक्त समाज के अंतर्गत अपनी पहल अपना कार्य में जूट के बैग का भी वितरण प्रशासन के साथ मिलकर किया गया ' गंगा सेवा दूत को संबोधित करते हुए मेंटरिंग भारत की मुख्य ट्रस्टी एवं चेयरपर्सन अलका प्रकाश द्वारा प्लास्टिक के द्वारा होने वाली हानियों के विषय में अपने विचार साझा किए।उन्होंने बताया की जो चाय हम प्लास्टिक के कप एवं पॉलिथिन में लेकर आते हैं, उसमें कई प्रकार के रासायनिक तत्व रासायनिक क्रिया के पश्चात इकट्ठे हो जाते हैं जिनका सेवन करने से कैंसर जैसे भयानक रोगों से हम लोग ग्रसित हो जाते हैं । उन्होंने बताया कि पहले लोहे की कढ़ाई में भोजन बना करता था और हम लोग स्टील अथवा दोना पत्तल में खाया करते थे और उनका उपयोग करने से हम लोग स्वस्थ रहा करते थे परंतु आजकल पानी व अन्य खाद्य पदार्थ प्लास्टिक के डिब्बो में हम तक पहुंचाते हैं यह सब हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जो पैकेज्ड फूड एवं फास्ट फूड जिनको हम बड़े चाव से खाते पीते हैं उनकी हानियां अब धीरे-धीरे हमारे शरीर पर परिलक्षित हो रही है। आज चारों तरफ कैंसर के

रोगियों की संख्या अचानक से बढ़ गई है ' आज आवश्यकता है हमको इस प्रकार की जीवनशैली जीने की जिससे कि कैंसर जैसी भयानक बीमारी को रोका जा सके और उनसे लड़ने के लिए प्रतिरोधी क्षमता पैदा की जा सके। इसके लिए योगा, अच्छा संतुलित भोजन, शुद्ध हवा एवं वातावरण की आवश्यकता है। इसके लिए हमें एकजुट होकर प्रयास करने की आवश्यकता है। आज हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखने की आवश्यकता है। क्योंकि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। मेंटरिंग भारत की चेयरपर्सन अलका प्रकाश द्वारा महाकुंभ के लोगों एवं पॉलिथीन का प्रयोग ना करें से संबंधित स्लोगन युक्त जूट के बैग का भी वितरण गंगा सेवा दूत के मध्य किया गया और साथ ही उनको इस बात की शपथ दिलाई गई कि वह पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करेंगे और लोगों को पॉलिथीन प्रयोग न करने हेतु भी जागरूक करेंगे साथ ही नशा न करने की भी उनको शपथ दिलवाई क्योंकि सुपारी तंबाकू गुटका बीड़ी शराब आदि नशे के कारण आज हमारे युवाओं के मन मस्तिष्क एवं भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है जिससे हमको लड़ने की आवश्यकता है एक उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी जीवन शैली के लिए हमको नशा मुक्त भारत स्वस्थ युवा एवं स्वावलंबी युवा तैयार करने की आवश्यकता है इसके लिए हम सबको जड़ संकल्पित होकर नशा मुक्त भारत बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ ज्ञान प्रकाश सेक्टर मजिस्ट्रेट 9 एवं 10 के द्वारा गंगा सेवा दूत के द्वारा इस महाकुंभ में किए गए कार्यों को सराहा गया साथ ही मेला प्रशासन की ओर से उनको धन्यवाद भी दिया गया उत्तर प्रदेश सरकार ने जिस विश्वास एवं लक्ष्य के साथ गंगा सेवा दूतों को इस महाकुंभ में उतारा था उसको उनके द्वारा धरातल पर जीवन्त किया गया जिसके लिए,वह बधाई के पात्र है ' उन्होंने अपने कार्यों को जिस मनोयोग एवं तत्परता के साथ किया है इससे हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। इस अवसर पर क्लीनिंग इंस्पेक्टर अरुण कुमार नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पर्यवेक्षक एवं लेखपाल अभिषेक कुमार काम बफेलो अभियान पर्यवेक्षक एवं लेखपाल लाल बहादुर ज्ञानस्थली की चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी सुषमा पांडे उपस्थिति रही ।

टाटा मोटर्स के सहयोग से मोरे ट्रांसपोर्ट का लॉजिस्टिक्स में नया कदम

ठाणे(उत्तरशक्ति)। पिछले दस सालों में भारत में खरीदारी करने का चलन दोगुना हो गया है। अंदाजा है कि 2026 तक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएगा। यह बदलाव शहरीकरण, मध्यम वर्ग की बढ़ती संख्या और लोगों की बढ़ती आमदनी की वजह से हो रहा है। ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स के तेज विकास ने इस बढ़त को और तेज कर दिया है, जिससे मजबूत लॉजिस्टिक्स सिस्टम की जरूरत भी बढ़ गई है। इस बदलाव में वाणिज्यिक वाहन अहम भूमिका निभा रहे हैं, क्योंकि वे पूरे देश में सामान को आसानी और भरोसे के साथ पहुंचा रहे हैं। पुणे एक बढ़ता हुआ औद्योगिक और व्यावसायिक केंद्र है, जहां तेजी से विकास देखने को मिल रहा है। शहर की लॉजिस्टिक्स जरूरतों को पूरा करने में मोरे ट्रांसपोर्ट एक अहम भूमिका निभा रहा है। यह कंपनी मजबूती, दूरदर्शिता और उत्कृष्टता के लिये प्रतिबद्ध है। मोरे ट्रांसपोर्ट ने टाटा मोटर्स के एक एलपीटी 909 ट्रक से शुरूआत की थी और अब यह टाटा मोटर्स के 125 वाहनों के साथ एक सफल लॉजिस्टिक्स व्यवसाय बन गया है। यह उल्लेखनीय यात्रा टाटा मोटर्स पर रखे गए भरोसे और कंपनी के संस्थापक श्री शंकर मोरे की उद्यमशीलता की भावना का प्रमाण है, जिन्होंने कंपनी की सफलता की मजबूत नींव रखी। वर्ष 2017 में कंपनी की आगे बढ़ने और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की क्षमता और मजबूत हुई, जब श्री शंकर मोरे के बेटे, हृषिकेश, दूसरी पीढ़ी के उद्यमी के रूप में व्यवसाय से जुड़े। नई सोच और बदलते बाजार की गहरी समझ के साथ, हृषिकेश टाटा मोटर्स के सहयोग से गाड़ियों की संख्या बढ़ाकर कंपनी को नए विकास की ओर ले गये। उनकी दूरदर्शिता के चलते पहले ही साल में आठ नए टाटा ट्रक जोड़े गए, जिससे मोरे ट्रांसपोर्ट अपने ग्राहकों की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करने और अपने संचालन को और प्रभावी बनाने में सक्षम हुआ। कंपनी पुणे में एलपीटी 1921 और एलपीटी 2821 खरीदने वाली पहली कंपनी बनी। ये वाहन अपनी बेहतरीन ईंधन दक्षता और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने मोरे ट्रांसपोर्ट को प्रतिस्पर्धा में आगे बनाए रखते हुए उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने में मदद की।

इस भागीदारी को याद करते हुए, मोरे ट्रांसपोर्ट के मालिक शंकर कुंडलिक मोरे ने कहा,हमारी सफलता की कहानी को गढ़ने में टाटा मोटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हमारे व्यवसाय की आवश्यकताओं पर उनकी गहरी समझ और परफॉर्मेंस तथा क्षमता को बढ़ाने वाले उनके सॉल्यूशंस अनमोल रहे। बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले उनके भरोसेमंद समाधानों से लेकर मजबूत बिक्री-पश्चात सहयोग तक, टाटा मोटर्स ने हमें अनुकूल बनने, तरक्की करने और अपने वादे पूरे करने के लिये सशक्त किया है। हमें इस भागीदारी को जारी रखने और साथ मिलकर नई-नई उपलब्धियाँ हासिल करने की आशा है।

विद्यालय के नौ विद्यार्थी बने विजेता,सभी का हुआ सम्मान

चिराना(उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी में स्थित आदर्श शिक्षण संस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को विधार्थियों को दैनिक चर्या से जुड़ी स्वास्थ्य परक सही जानकारियां दी गई। ढाई बजे के बाद विद्यार्थियों के बीच वाक्य पुनरावर्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आरिष,किस्मत,नितीन,देवेंद्र, आशीष,दृष्टि,सुभीता,मीना गुजर,अमित सैनी ने सही उच्चारण के साथ वाक्यों को बोलते हुए आयोजित इस प्रतियोगिता के विजेता बने। इन विजेताओं को मौके पर ही इस कार्यक्रम के संयोजक रहे डॉ.राजेंद्र कुमावत ने मोमेंटो प्रदान कर उनको सम्मानित किया और कहा बच्चो में एकाग्रता पैदा करने वाली इस प्रकार की प्रतियोगिता समय समय पर होती रहनी चाहिए। उन्होंने कहा अलंकार से शोभित वाक्यों को बोलना अपने आप में रोचकता प्रदान करने वाला तो होता ही है साथ ही बच्चो में एकाग्रचितत्ता को बढ़ाने वाला भी है। सवा घंटे चली इस प्रतियोगिता में कई छात्र छात्राओं ने अपनी बुद्धि का परिचय दिया। इस के बाद सभी विद्यार्थियों ने अंग्रेजी अंताक्षरी में भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया और मेमोरी शार्प होने का संकेत दिया।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक गिरधारी लाल सैनी,अध्यापक गोपाल सैनी, प्रेम प्रकाश,विक्रम कुमावत,नेमीचंद जाजम, ममता व सुनीता सहित सभी स्टूडेंट उपस्थित रहे। ज्ञानवर्धक रहे इस प्रोग्राम के लिए विद्यालय के निदेशक चौथ मल सैनी विद्यालय स्टाफ की ओर से डॉक्टर कुमावत का आभार व्यक्त किया गया।

न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड का एसएमई आईपीओ 24 फरवरी, 2025 को खुलेगा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 24 फरवरी, 2025 को प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की योजना की घोषणा की है। बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध शेयरों के साथ कंपनी का लक्ष्य रू. 3,170.23 लाख रुपये तक की धनराशि जुटाना है। न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड (एनओएसएल) के प्रमोटर एक सह कार्यशील और प्रबंधित कार्यालय स्थान प्रदाता हैं, जो वर्तमान में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पूरी तरह से सुसज्जित, लचीले कार्यस्थल, समर्पित डेस्क, निजी केबिन, बैठक कक्ष, अभिनव स्थान, स्टार्टअप जोन, वर्चुअल ऑफिस आदि प्रदान कर रहे हैं, और पूरे भारत में विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। उनके कार्यालय समाधानों की श्रृंखला स्टार्टअप्स, एसएमई व्यवसायों, बड़े उद्यमों, पेशेवरों और उद्यमियों सहित विविध प्रकार के व्यवसायियों की जरूरतों को पूरा करती है। वे 50 से लेकर 500 सीटों वाले उद्यमों के लिए पूर्णतः सेवायुक्त और प्रबंधित कार्यस्थल समाधान भी प्रदान करते हैं। 31 दिसंबर 2024 तक उनके पास दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में

कार्यस्थलों के साथ 7 केंद्र हैं और कुल 2,796 सीटों के साथ 4 कार्यालय भी संचालित करते हैं। लिस्टिंग तिथिः मंगलवार, 4 मार्च, 2025 निर्गम के बाद कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी (प्रवर्तक अंशदान को छोड़कर) और शुद्ध निर्गम क्रमशः 26.42% और 25.09% होगी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य संडे कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का मुख्य प्रबंधक है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड के लिए मार्केट मेकर निकुंज स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड है। नैक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड के एमडी श्री निपुण गुप्ता ने कहा, ?हमें बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपने आगामी आईपीओ की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य पूरे भारत में लचीले, किफायती और सुलभ कार्यालय समाधानों की तलाश करने वाले व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए अग्रणी विकल्प बनना है। हम कंपनी के उज्ज्वल भविष्य की आशा करते हैं।

न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस लिमिटेड-- कंपनी की स्थापना श्री निपुण गुप्ता ने की थी। जिनके पास रियल एस्टेट उद्योग में 25 वर्षों का अनुभव है। 2019 में हमारी स्थापना के बाद से, कंपनी ने नए केंद्र खोलकर और प्रबंधित कार्यालय समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करके विकास जारी रखा है। उनकी प्रतिबद्धता गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना और अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है। हम उद्योग में हो रहे तकनीकी विकास के साथ कार्य वातावरण में सुधार करके अपने ग्राहकों की सेवा करने और अपनी विकास यात्रा के लिए समर्पित हैं। सह-कार्य स्थलों को रणनीतिक रूप से स्थापित करके, वे अपने ग्राहकों के लिए आसान यात्रा और आराम सुनिश्चित करते हैं, साथ ही किफायती भी होते हैं। वे एक सह-कार्यशील और प्रबंधित कार्यालय स्थान प्रदाता हैं जो दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में पूरी तरह सुसज्जित, लचीले कार्यस्थल, समर्पित डेस्क, निजी केबिन, बैठक कक्ष, अभिनव स्थान, स्टार्टअप जोन, वर्चुअल कार्यालय आदि प्रदान करते हैं। उनके कार्यालय समाधानों की श्रृंखला स्टार्टअप, एसएमई, बड़े उद्यमों, पेशेवरों और उद्यमियों सहित विविध प्रकार के व्यवसायियों की जरूरतों को पूरा करती है। वे 50-500 सीटों वाले उद्यमों के लिए पूर्ण-सेवा और प्रबंधित कार्यस्थल समाधान भी प्रदान करते हैं। 31 दिसंबर, 2024 तक उनके पास दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लचीले कार्यस्थलों के साथ 7 केंद्र हैं और वे कुल 2,796 सीटों के साथ 4 प्रबंधित कार्यस्थल भी

पीएनबी ने खुदरा ऋण पर ब्याज दरों में संशोधन किया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 10 फरवरी 2025 से प्रभावी विभिन्न ऋण उत्पादों पर अपनी ब्याज दरों में संशोधन की घोषणा की है। दरों में यह समायोजन, बदलती बाजार स्थितियों के अनुकूल होते हुए प्रतिस्पर्धी वित्तीय समाधान प्रदान करने की बैंक की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। संशोधित दरें होम लोन, कार लोन, शिक्षा और व्यक्तिगत ऋण सहित कई उत्पादों पर लागू होती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहकों को विविध वित्तपोषण विकल्प मिलते रहें। गृह ऋणः पीएनबी ने अपने गृह ऋण की ब्याज दरों को संशोधित कर एवं प्रमुख शुल्क माफ करके घर के स्वामित्व को अधिक सुलभ बना दिया है। पीएनबी डिजी होम लोनः 8.15% प्रति वर्ष से शुरू होने वाली आकर्षक ब्याज दर के साथ, ग्राहक 5 करोड़ रुपये तक का गृह ऋण डिजिटल रूप से कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं। ईएमआई 744 रुपये प्रति लाख से शुरू होती है, जिससे घर का वित्तपोषण अधिक किफायती हो जाता है। यह योजना शून्य प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क के साथ शून्य पूर्व भुगतान शुल्क प्रदान करती है। पीएनबी होम लोनः यह पारंपरिक होम लोन योजना 744 रुपये प्रति लाख की ईएमआई के साथ 8.15% प्रति वर्ष से शुरू होने वाले ब्याज दर की पेशकश करती है। ग्राहक 31 मार्च 2025 तक अग्रिम प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क की पूर्ण छूट का लाभ उठा सकते हैं।

पीएनबी जेन-नेक्स्ट होम लोन योजनाः यह योजना विशेष रूप से वेतनभोगी प्रोफेशनल्स जैसे कि आईटी प्रोफेशनल्स, सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों और 40 वर्ष तक की आयु वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए डिजाइन की गई है। 8.15% प्रति वर्ष की शुरूआती ब्याज दर वाली यह योजना उधारकताओं को उनकी पात्रता के 1.25 गुना तक ऋण लेने की अनुमति देती है। 30 वर्ष तक की पुनर्भुगतान अवधि के साथ, यह योजना उधारकताओं को वित्तीय फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करती है। 60 महीने तक की मोरेटोरियम पीरियड भी उपलब्ध है। प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क पर पूरी छूट 31 मार्च 2025 तक उपलब्ध है। पीएनबी मैक्स सेवर - होम लोन स्कीमः उच्च आय वर्ग के समूहों को ध्यान में रखते हुए, यह गृह ऋण योजना एक ओवरड्राफ्ट के रूप में पेश की जाती है, जो उधारकताओं को ब्याज देयता को कम करने के लिए अपने ऋण खाते में अतिरिक्त धनराशि जमा करने की अनुमति देती है। ब्याज दरें 8.30% प्रति वर्ष से शुरू होती हैं, जिसमें 31 मार्च 2025 तक प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क पर पूर्ण छूट दी जाती है।

पीएनबी डिजी कार लोनः डिजिटल प्रेमी ग्राहकों के लिए डिजाइन की गई, यह ऋण योजना 8.50% प्रति वर्ष से शुरू होने वाली ब्याज दरों और 1,240 रुपये प्रति लाख की किफायती ईएमआई पर उपलब्ध है। इसमें अधिकतम ऋण राशि 20 लाख रुपये तक उपलब्ध है, जो इसे नई कारें खरीदने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती है। पीएनबी डिजी एजुकेशन लोनः 7.85% से शुरू होने वाले ब्याज दर के साथ यह एक पूरी तरह से डिजिटल और परेशानी मुक्त ऋण योजना प्रक्रिया हैं। यह योजना भारत में चयनित प्रमुख संस्थानों में प्रवेश पाने वाले छात्रों को बिना किसी जमानत के वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पीएनबी पूरी तरह से डिजिटल, पेपरलेस प्रक्रिया के साथ सहज ऋण स्वीकृति प्रदान करता है, जिससे ग्राहक आसानी से कहीं से भी आवेदन कर सकते हैं। शून्य पूर्व भुगतान शुल्क, बिना किसी प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क के साथ, बैंक एक सहज और किफायती ऋण प्राप्त करने का अनुभव सुनिश्चित करता है। ग्राहक संशोधित दरों और लागू शर्तों के विषय में अधिक जानकारी के लिए अपनी निकटतम पीएनबी शाखा में जा सकते हैं या www.pnbindia.in पर लॉग इन कर सकते हैं।

विश्वकर्मा एकता महारैली को लेकर भारतीय विश्वकर्मा महासंघ ने किया कार्यकर्ता सह जनसंवाद सम्मेलन

पटनासिटी(उत्तरशक्ति)। शरीफागंज स्थित जमुना उत्सव पैलेस में भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के तत्वाधान में कार्यकर्ता सह जनसंवाद सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुखदेव विश्वकर्मा उर्फ मुन्नी जी एवं संचालन दिवाकर शर्मा ने की। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भारत के सातवें राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के सुपौत्र इंद्रजीत सिंह बब्बू ने कहा कि विश्वकर्मा समाज गौरवशाली तब होगा जब हम अपनी परम्पराओं और जीवन मूल्यों का निर्वाह करने में सफल और सक्षम होंगे, और हम सफल और सक्षम तब होंगे जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह करने में सफल होगा। अपने कर्तव्यों को महत्व देकर समाजिक मूल्यों, परम्पराओं के माध्यम से समाज का एकीकरण करने के लिए तैयार होना होगा। श्री बब्बू ने कहा कि एक सूत्र में बंध कर पटना के गांधी मैदान में 2025 के अप्रैल माह में होने जा रही विश्वकर्मा एकता रैली में तन मन धन के सहयोग के साथ अपनी एकता की परिचय देने का कार्य करेंगे। जबकि भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा कि जातिगत जनगणना के अनुसार बिहार में विश्वकर्मा समाज की आबादी 8 से 9 प्रतिशत है, इसके बाबजूद भी यह श्रमिक समाज को समुचित अधिकार नहीं मिल पाया है। अब विश्वकर्मा समाज जागरूक हो गया है। अब भीख नहीं अधिकार लेंगे और सरकार भी बनायेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति से वंचित होने के कारण समुचित अधिकार से भी वंचित है। अब विश्वकर्मा समाज मजबूती से हर लड़ाई लड़ने को तैयार है और 2025 के अप्रैल माह में गांधी मैदान में विश्वकर्मा एकता महारैली कर अपनी शक्ति प्रदर्शन कर एकजुटता दिखाएंगे साथ ही उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि अभी से महारैली की तैयारी के लिए सभी लोग तन मन धन से लग जाएं। वहीं महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिवाकर शर्मा अपने संबोधन में कहा कि विश्वकर्मा समाज को अपने बच्चों को पढ़ाने पर जोड़ देना होगा, साथ ही समाज में शिक्षा की भूख जगाना होगा। शिक्षा के माध्यम से ही अपना ताज और राज एवं समाज व देश की निर्माण की परिकल्पना कर सकते है। मौके पर पूर्व पार्षद लल्लू शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता शर्मा, उपाध्यक्ष सुनीता सोनी, अनीता शर्मा, पटना साहिब के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी बीरबल शर्मा, सतेंद्र विश्वकर्मा, सतीश शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, कौशल विश्वकर्मा, अजय शर्मा, बिनोद विश्वकर्मा, सतपाल शर्मा, युवा नेता अभिषेक राणा, समाजसेवी रॉकी शर्मा आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

मार्केट्स4यू डिजिटल गोल्ड ट्रेडिंग को आसान बनाने के लिए लेकर आए नया कैंपेन

नई दिल्ली,(उत्तरशक्ति)। अग्रणी ग्लोबल मल्टी-असेट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म मार्केट्स4यू ने अपने नए विज्ञापन थिंक गोल्ड, थिंक मार्केट्स4यू का लॉन्च किया है, जो इस प्लेटफॉर्म पर गोल्ड ट्रेडिंग को आसान एवं सुलभ बनाने की बात कहता है। विज्ञापन की फिल्म रचनात्मक रूप से दर्शाती है कि किस तरह मार्केट्स4यू ने गोल्ड ट्रेडिंग के तरीके को बदल डाला है और इसे हर किसी के लिए आसान बना दिया है। यह विज्ञापन एक आकर्षक कहानी पर फिल्माया गया है जिसमें दर्शाया गया है कि एक राजसी व्यक्ति ने अपनी सम्पत्ति को सिर्फ सोना जमा करके नहीं बल्कि मार्केट्स4यू पर ट्रेडिंग करके जमा किया है। यह विज्ञापन दर्शाता है कि कोई भी व्यक्ति कैसे बड़े ही आसान और सुरक्षित तरीके से गोल्ड में ट्रेडिंग कर सकता है। यह विज्ञापन रोचक अंदाज में संदेश देता है स्मार्ट किंग का गोल्ड लॉकर नहीं, ट्रेडिंग अकाउन्ट होता है। इसके बाद एक शाही दरबार का दृश्य आता है, जिसमें एक चोर राजा का सोना चुराने की कोशिश के आरोप में पकड़ा जाता है। पूछताछ करने पर चोर बताता है कि कोशिश के बावजूद उसे राजा के खजाने में सोना नहीं मिला। तभी राजा अपना रहस्य बताता है: जोखिम से बचने के लिए उसने अपने पास फिजिकल गोल्ड नहीं रखा है, इसके बजाए वह मार्केट्स4यू पर डिजिटल गोल्ड में ट्रेडिंग करता है। कुल मिलाकर यह विज्ञापन संदेश देता है कि आज की दुनिया में कोई भी मार्केट्स4यू के आधुनिक प्लेटफॉर्म पर आसानी से गोल्ड में ट्रेडिंग कर सकता है। भारत में अपने कैंपेन थिंक गोल्ड, थिंक मार्केट्स4यू का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। भारत के लोग हमारे लिए मायने रखते हैं। हम भारत की संस्कृति और धरोहर से प्रेरित हैं। अपनी विकास योजनाओं के तहत हम हर किसी के लिए गोल्ड ट्रेडिंग को आसान बनाना चाहते हैं, फिर चाहे आप अनुभवी निवेशक हैं या पहली बार ट्रेडिंग करने वाले बिगिनर। हम हर व्यक्ति को ट्रेडिंग का भरोसेमंद अनुभव प्रदान कर उनकी फाइनैंशियल यात्रा को आसान बनाना चाहते हैं। श्रीमति मरीना स्ट्रॉस, सीईओ, मार्केट्स4यू ने कहा।

पूर्व सांसद का पत्र फेंकने पर आंदोलन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। टिकट आरक्षण के लिए दिए गए भाजपा के पूर्व सांसद के पत्र को मध्य रेल के अधिकारी द्वारा फेंके जाने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय सचिव ने कार्रवाई की मांग की है। कार्यालय सचिव मुकुंद कुलकर्णी ने 3 फरवरी को इस बारे में मध्य रेल के महा प्रबंधक को संबंधित अधिकारी एसवी एन सुभाष के खिलाफ जांच की मांग की थी। इस पत्र में 8 दिनों के अंदर कार्रवाई किये जाने की माँग की गयी है ,लेकिन समय सीमा बीत जाने पर कार्यवाही नही हुई तो महाप्रबंधक कार्यालय पर 25 फरवरी को भाजपा कार्यकर्ता तथा पूर्व सांसद मोर्चा निकालेंगे ।

डीजे पर विवाद के बाद मारी गोली,दूल्हे के भाई की मौत

लखीमपुर(उत्तरशक्ति)। लखीमपुर खीरी के सदर कोतवाली क्षेत्र के एक मैरिज लॉन में बृहस्पतिवार रात दूल्हे के भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जयमाल के वक्त हुई वारदात से शादी समारोह में दहशत फैल गई। फेरे नहीं पड़े, जिससे शादी नहीं हो सकी। घटना में दुल्हन के चचेरे भाई समेत तीन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है। घटना शहर के हरिकरन मैरिज लॉन की है। यहां पर सीतापुर के थाना तंबौर अंतर्गत ग्राम चंदीभानपुर निवासी कृष्णकांत वर्मा के बेटे जितेंद्र वर्मा की बरात आई थी। लड़की पक्ष भी सीतापुर के बिसवां कस्बे का था। रात करीब एक बजे जब जयमाल का कार्यक्रम चल रहा था। डीजे पर लोग डांस कर रहे थे। इसी दौरान दूल्हे जितेंद्र वर्मा के छोटे भाई आशीष वर्मा (24) से दुल्हन साधना के चचेरे भाई सुमित और दो अन्य रिश्तेदारों का विवाद होने लगा। विवाद करने वाले तीनों युवक वहां से आशीष को जान से मार देने की धमकी देते हुए पहले तो चले गए, लेकिन कुछ देर बाद ही वापस आए और तमंचे से आशीष को गोली मार दी। गोली चलते ही बरात में अफरातफरी और चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन गंभीर घायल आशीष को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना के बाद तीनों आरोपी युवक फरार हो गए। इस वारदात के बाद दूल्हा-दुल्हन के फेरे भी नहीं पड़ पाए। शहर कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि घटना में मृतक आशीष वर्मा के पिता कृष्णकांत ने दुल्हन के चचेरे भाई सुमित के अलावा दो रिश्तेदारों शिवम व अविनाश के खिलाफ नामजद तहरीर दी। जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जल्द ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आशीष के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। विवाद किस बात को लेकर हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। आशीष घर के भाई-बहनों में सबसे छोटा था। वह पिता कृष्णकांत के साथ मिलकर घर की खेती किसानी में उनका हाथ बंटाता था। बड़े भाई जितेंद्र की शादी तय होने से वह काफी खुश था। मृतक आशीष की तीन बहनें हैं। जिसमें से दो बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि एक बहन की शादी होनी है।

केएफसी ने पेश की बोनलेस रेंज

पटना(उत्तरशक्ति)। टेस्ट द एपिक की करें तैयारी क्योंकि केएफसी की बोनलेस रेंज आपके लिए लेकर आ रही है, बेजोड़ क्रंच के साथ बेमिसाल और लाजवाब जायका। यह इतना आसान है कि सोच लेस एंड एंजॉय केएफसी बोनलेस। ईजी और कन्वीनिएंट ऑन-द-गो स्नैक के लिए केएफसी की क्रिस्पी, फिंगर लिकिंग गुड बोनलेस रेंज आपकी हर क्रेविंग को करेगी पूरा। केवल 99 रुपये से शुरू इस रेंज में चिकन लवर्स को मिलेंगे केएफसी के बेस्टसेलिंग मेन्यू से दो स्वादिष्ट बोनलेस विकल्प। बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स के बोल्ड जायके का मजा लें। यह क्रिस्पी, टेंडर और स्वादिष्ट मसालों में लिपटा एक शानदार स्नैक है। इस चिकन स्ट्रिप को अपने पसंदीदा सॉस में डिप करके खाएं और पाएं स्वाद का लाजवाब जायका। यह दो सॉसी डिप विकल्पों - देसी फ्लेवर के लिए तंदूरी और स्पाइसी एवं टैंगी फ्लेवर के लिए नैशविले के साथ खाया जा सकता है। चिकनलवर्स की बाईट-साईज खाने की क्रेविंग को पूरा करने के लिए ये लजीज चिकन पॉपकॉर्न परफेक्ट हैं। ये बाहर से क्रिस्पी और अंदर से जूसी हैं, जो हर बाईट में केएफसी का सिग्नेचर एपिक फ्लेवर प्रदान करते हैं।

पारिवारिक कलह में युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

आजमगढ़। कसेरा गांव निवासी अरविंद कुमार (23) का विवाह एक वर्ष पूर्व चंदौली जनपद के धानापुर क्षेत्र में हुआ था। सुबह किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद अरविंद कमरे में पहुंचा और पंखा लटकाने वाले हुक से रस्सी के सहारे फांसी लगा लिया। यह देख पत्नी शोर मचाने लगी। आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और अरविंद को फंदे से नीचे उतारकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। जहां से उसे वाराणसी के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मामले की छानबीन चल रही है।